2020 से 2022

Web Portal
www.ghatatighatana.com

सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

ज्ञान की बातें

किस्मत से या भगवत् की इच्छा से कोई गरीब नहीं होता,अपने कर्म से ही मनुष्य गरीब होता है।
- स्वामी विवेकानंद -

अम्बिकापुर , वर्ष 19,अंक -01,मंगलवार ,01 नवम्बर 2022, पृष्ठ -8+4 मूल्य 3 रूपये

आज अखबार के 19 वें स्थापना दिवस पर

"घटती-घटना" के आत्मा की आवाज...

आज सबसे पहले मैं सभी जागरूक व प्रबुद्ध पाठकों, नियमित ग्राहकों,विज्ञापन दाताओं और घटती-घटना के तमाम सहयोगियों तथा हितैषियों का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ । आप सभी के विश्वास और समर्थन के बल पर ही घटती-घटना अपनी अविराम यात्रा के उन्नीसवें पड़ाव पर पहुंचकर आप सब की साझेदारी में सात्विक प्रसन्नता और गौरव का अनुभव कर रहा है।

बेशक,आज के कठिन हालात में घटती-घटना जैसी सीमित साधनों और बगैर किसी गॉड फादर वाली स्वतंत्र और विशुद्ध जनोन्मुखी पत्रकारिता की राह में संघर्षों का अंतहीन सिलसिला बना ही रहता है फिर भी हर गुजरते दिन,महीनों और सालों में हमारी प्रतिबद्धता और हिम्मत मजबूत ही होती गई है। इस दैनिक अखबार को समाज के ठेठ(ग्रामीण)से लेकर आभिजात्य समाज तक के आवासों,निवासों,दफ्तरों,दुकानों, आदि में समान रुचि और विश्वास के साथ पढ़ा जाता है। सभी को अश्लीलता,सनसनी,ढोंग,द्वेष और कलह को बढ़ावा देने से घटती-घटना का घोर परहेज कुछ ज्यादा ही पसंद आता है। हमारी नीतियों में ही नही बल्कि हमारी कार्यशैली और प्रकृति में भी इंसानियत से बढ़ कर कुछ भी नही है। घटती घटना को सिर्फ और सिर्फ इंसानियत के तराजू पर ही और सिर्फ इंसानियत के चश्मे से ही दुनिया को तौलने और देखने की जन्मघुट्टी मिली हुई है। इंसानियत की पैरोकारी ने घटती-घटना को सभ्य समाज की मान्यता से कृत्य-कृत्य कर रखा है।

एक बार फिर घटती-घटना परिवार की ओर से मैं आप सभी का सम्मान पूर्वक आभार व्यक्त करता हूँ ।

धन्यवाद !

आपका
(अविनाश कुमार सिंह)
संपादक

पुल गिरने से 190 लोगो की मौत,

पीएम नरेन्द्र मोदी करेंगे मोरबी का दौरा

गुजरात , 31 अक्टूबर 2022। गुजरात के मोरबी में एक बड़ा हादसा हुआ है। बता दे की मोरबी में एक बड़ा पुल टूट गया जंहा अब तक 190 लोगो के मौत की खबर सामने आई है। जिसमें 25 बच्चे,और बड़ी संख्या में बुजुर्ग एवं महिलाएं शामिल है। सर्चिंग ऑपरेशन अभी भी जारी है। रेस्क्यू के दौरान 170 लोगो को बाहर निकाला गया है। जानकारी के अनुसार गुजरात के मोरबी में रविवार शाम 6.30 बजे सस्पेंशन ब्रिज टूट गया। ब्रिज में हादसे के वक्त 400 से 500 लोग जमा थे। और ब्रिज की क्षमता 100 लोगों की है। ब्रिज 765 फीट लंबा और महज 4.5 फीट चौड़ा है। यह 143 साल पुराना पुल ब्रिटिश शासन काल में बनाया गया था।

हादसे के वक्त जितने लोग ब्रिज के ऊपर उपस्थित थे सभी पानी में समा गए। सुबह तक मरने वालो की संख्या 141 थी लेकिन अब मृतकों की संख्या 190 हो गई है। बता दे की यह पुल पिछले 6 महीने से बंद था। कुछ दिन पहले ही इसकी मरम्मत की गई थी। हादसे से 5 दिन पहले 25 अक्टूबर को यह ब्रिज आम लोगों के लिए खोला गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जायेंगे गुजरात- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल, 1 नवंबर को मोरबी, गुजरात का दौरा करेंगे और पीड़ित परवारों से मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को गुजरात के केवड़िया में राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में शामिल हुए। इस दौरान पीएम मोदी ने मोरबी ब्रिज हादसे पर दुख व्यक्त किया। पीएम मोदी ने भावुक होते हुए कहा कि मेरा मन करुणा से भरा हुआ है। बता दे की इस हादसे के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सोमवार को अहमदाबाद में होने वाला अपना रोड शो रद्द कर दिया है। मोदी की उपस्थिति में मंगलवार को होने वाले पेज कमिटी सम्मेलन को भी रद्द कर दिया गया है।

आजम खान पर गिरी गाज

लखनऊ, 31 अक्टूबर 2022। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान को हेट स्पीज देना भारी पड़ा गया। कोर्ट द्वारा उन्हे भड़काऊ बयानबाजी के लिए तीन साल की सजा सुनाए जाने दूसरे ही दिन उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष ने आजम खान की विधानसभा सदस्यता रद्द कर दी और रामपुर विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव कराने का फैसला ले लिया। हालांकि आजम खान को हेट स्पीच के मामले में जमानत मिल गई है और वे इसके खिलाफ उपरी अदालत में अपील भी करेंगे लेकिन उनकी हेट स्पीट के प्रमाणिक सबूत है इसलिए उनका सजा से बच पाना मुश्किल लगता है।

वैसे भी उनके खिलाफ कई मामले दर्ज है और ऐसे ही एक मामले में लंबे समय तक जेल की हवा खाने के बाद वे जमानत पर छूटे है। आजम खान इसके पहले भी लगातार विवादास्पद बयानबाजी करते रहे है लेकिन ऐसे ही एक भड़काऊ बयानबाजी के लिए उन्हे सजा सुनाई गई है। आजम खान पर गाज गिरना उन बयानवीर नेताओं के लिए चेतावनी है जो विवादास्पद और भड़काऊ बयानबाजी करना अपना जन्म सिद्ध अधिकार समझते रहे है।

चुनाव के दौरान विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के बयानवीर नेताओं के बीच बोल वचन करने की होड़ लग जाती है। एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाना तो फिर भी आपराधिक कृत्य की श्रेणी में नहीं आता लेकिन भड़काऊ बयानबाजी करना आपराधित कृत्य ही माना जाता है। हालांकि ऐसे बयानवीर नेताओं को उनकी पार्टी का आलाकमान नसीहद देता है लेकिन इसका उनपर कोई असर नहीं पड़ता। यही वजह है कि वे पार्टी आला कमान की चेतावनी के बाद भी अनाप शनाप बयान देने से बाज नहीं आते। ऐसे बयानवीर नेता हर पार्टी में है।

मोटर रिपेयरिंग का काम करने वाले का बेटा बना जज, स्टेट में मिली 5 वीं रैंक

जालोर, 31 अक्टूबर 2022। कहते हैं ना प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती। यह एक गांव के बेटे ने साबित कर दिया। उसने मेहनत से माता-पिता के साथ ही गांव का नाम रोशन किया है।

जी हां हम बात कर रहे हैं जालोर जिले के भीनमाल निकट दासपा गांव की। यहां के रहने वाले निवासी रवींद्र सुथार ने गुजरात ज्यूडिशियल सर्विस परीक्षा में 5 वीं रैंक प्राप्त की।

21 अक्टूबर को आए परिणाम में सुथार का चयन होने पर परिवार और गांव में खुशी की लहर छा गई। मूलत- पाली के तखतगढ़ निवासी व कई वर्षों से दासपां में निवासरत बाबूलाल सुथार मोटर रिपेयरिंग का कार्य कर रवींद्र कुमार को पढ़ाई करवाई थी।

रवींद्र ने 2018 के दौरान निरमा युनिवर्सिटी से स्नातक बीकॉम व एलएलबी की पढ़ाई करने के बाद गुजरात हाईकोर्ट में वकालत का कार्य शुरू कर दिया. जिसके बाद वकालत के साथ-साथ गुजरात न्यायिक सेवा की तैयारी शुरू की।

इस वर्ष आयोजित हुई परीक्षा के दौरान पहले ही प्रयास में सुथार का गुजरात राज्य में 5 वीं रैंक से चयन हो गया। बाबूलाल सुथार के तीन बेटे हैं, एक बेटी है। सबसे बड़ा बेटा नरेंद्र सुथार सॉफ्टवेयर इंजीनियर है।

विक्रम सुथार गृह मंत्रालय में नौकरी कर रहा व रवींद्र का अब जज के पद पर चयन हो गया. वहीं एक बहन तारा निजी कंपनी में कार्यरत है।

रविंद्र का कहना है कि उन्हें प्रेरित करने और हर तरह से समर्थन देने में माता-पिता बड़ा योगदान रहा है। जिसकी बदौलत में आज इस मुकाम पर पहुंच सका हूं।

उन्होंने क्षेत्र के युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि सपने हमेशा बड़े देखो, जितना बड़ा सपना देखोगे उतनी ही ज्यादा मेहनत करना होगी। यदि दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ मेहनत करेंगे तो निश्चित ही सफलता भी प्राप्त होगी।

रवींद्र के पिता बाबूलाल बताते है कि वे स्वयं मिस्त्री है लेकिन बच्चों को पढ़ाने का जुनून था खुद अभावों में रहे लेकिन बच्चों को उच्च शिक्षा प्रदान की। रविंद्र बचपन से ही पढ़ने में प्रतिभाशाली था।

उनके पिता का सपना था कि उनका बेटा एक जज बने और जैसे ही गुजरात न्यायिक सेवा का परिणाम आया और रवींद्र का गुजरात राज्य में 5 वीं रैंक से चयन हो गया. जिसके बाद से उनके परिवार, गांव व समाज में जश्न का माहौल है।

जानकारी मुताबिक जालोर जिले में सुथार समाज से रविंद्र सुथार पहले जज बनते हुए समाज का नाम रोशन किया। सुथार के पिता एक सामान्य मिस्त्री होने के कारण गांव में मोटर रिपेयरिंग का कार्य करते हुए परिवार चलाने के साथ-साथ बच्चों को पढ़ाई करवाई.

सुप्रीमकोर्ट 6 दिसंबर को नागरिकता संशोधन अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगा

नई दिल्ली , 31 अक्टूबर 2022। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 6 दिसंबर को नागरिकता संशोधन अधिनियम , 2019 की वैधता को चुनौती देने वाली 200 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई निर्धारित की। मुख्य न्यायाधीश यू.यू. ललित और न्यायमूर्ति एस. रवींद्र भट और न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी ने कहा- ÷6 दिसंबर, 2022 को उपयुक्त पीठ के समक्ष मामलों की सूची बनाएं।÷पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को इस मामले में त्रिपुरा और असम की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया। इसने 230 से अधिक याचिकाओं से उत्पन्न मामलों में सुचारू सुनवाई की सुविधा के लिए दस्तावेजों का एक सामान्य संकलन बनाने के लिए, एक याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले दो अधिवक्ताओं पल्लवी प्रताप और केंद्र का प्रतिनिधित्व करने वाले कानू अग्रवाल को भी नामित किया।

वरिष्ठ अधिवक्ताओं ए.एम. याचिकाकर्ताओं की ओर से सिंघवी, सिद्धार्थ लूथरा, कपिल सिब्बल, पी. विल्सन और इंदिरा जयसिंह और अन्य पेश हुए। शीर्ष अदालत ने कहा कि सभी वकीलों को तीन पृष्ठों से अधिक की लिखित दलीलें साझा करनी चाहिए।

इसमें कहा गया है, ÷नोडल वकील एक या दो अन्य मामलों को प्रमुख मामलों के रूप में नामित कर सकते हैं।÷

अपनी लिखित प्रतिक्रिया में, केंद्र ने 2019 अधिनियम की वैधता का बचाव करते हुए कहा, ÷सीएए कानून का एक सौम्य टुकड़ा है, जो स्पष्ट कटौती के साथ निर्दिष्ट देशों के विशिष्ट समुदायों को एक माफी की प्रकृति में छूट प्रदान करना चाहता है। -ऑफ डेट÷।

÷यह प्रस्तुत किया गया है कि सीएए एक विशिष्ट संशोधन है जो निर्दिष्ट देशों में प्रचलित एक विशिष्ट समस्या से निपटने का प्रयास करता है, अर्थात निर्दिष्ट देशों में निर्विवाद लोकतांत्रिक संवैधानिक स्थिति के आलोक में धर्म के आधार पर उत्पीड़न, ऐसे राज्यों के व्यवस्थित कामकाज और डर की धारणा जो उक्त देशों में वास्तविक स्थिति के अनुसार अल्पसंख्यकों में प्रचलित हो सकती है,÷ यह कहा।

एमएचए ने कहा कि संसद भारत के संविधान के अनुच्छेद 245 (1) में दिए गए प्रावधान के अनुसार भारत के पूरे क्षेत्र या किसी भी हिस्से के लिए कानून बनाने के लिए सक्षम है।

इसने आगे कहा कि सीएए अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदायों से संबंधित प्रवासियों को नागरिकता प्रदान करने की सुविधा प्रदान करता है, जिन्होंने 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत में प्रवेश किया था।

एमएचए ने कहा- ÷सीएए किसी भी मौजूदा अधिकार पर लागू नहीं होता है जो संशोधन के अधिनियमन से पहले मौजूद हो सकता है और आगे, किसी भी तरह से, किसी भी भारतीय नागरिक के कानूनी, लोकतांत्रिक या धर्मनिरपेक्ष अधिकारों को प्रभावित करने का प्रयास नहीं करता है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में AAP की एंट्री,सभी 224 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान

बेंगलुरु, 31 अक्टूबर 2022। आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन कर दिल्ली और पंजाब में आप की सरकार बनाने में सफल रही। दो राज्यों में सरकार बनाने के बाद आम आदमी पार्टी ने बड़ा लक्ष्य लेकर देश भर में रजनीति करना चाहती है। आप का अगला लक्ष्य हिमाचल प्रदेश और गुजरात सहित कर्नाटक राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव है।

आम आदमी पार्टी ने आगामी कर्नाटक विधानसभा चुनाव में सभी 224 सीट पर अपने उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। पार्टी के एक नेता ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी पहले से ही आधे से अधिक उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप देने के प्रक्रिया में है और जनवरी 2023 के पहले सप्ताह तक अपनी पहली सूची जारी करने का इरादा रखती है। इसके बाद आप उम्मीदवारों की अगली सूची की घोषणा की जाएगी।

पार्टी प्रवक्ता और आप की कर्नाटक इकाई के संयोजक पृथ्वी रेड्डी ने कहा, ''हमने सभी 224 सीट पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। हमने राज्य के 170 निर्वाचन क्षेत्रों में ग्राम संपर्क अभियान (गांव पहुंच अभियान) के माध्यम से अपना चुनाव प्रचार अभियान शुरू किया है और हम इन 170 निर्वाचन क्षेत्रों में बूथ स्तर पर लोगों को नियुक्त करने की प्रक्रिया में हैं।÷

शरद पवार की तबियत खराब, ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती

मुंबई, 31 अक्टूबर 2022। महाराष्ट्र के दिग्गज नेता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार की तबियत बिगड़ गई है। उन्हें राजधानी मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खबर है कि उन्हें इस सप्ताह ही डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। वह आगामी नवंबर में होने वाले पार्टी कार्यक्रमों में शामिल होते रहेंगे। कहा जा रहा है कि वह कांग्रेस की 'भारत जोड़ो' यात्रा में भी शामिल होने वाले हैं।

राकंपा ने जानकारी दी है कि तबियत खराब होने के चलते पवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पार्टी ने बताया है कि उन्हें 2 नवंबर तक डिस्चार्ज किया जा सकता है।

साथ ही वरिष्ठ नेता शिर्डी में 4-5 नवंबर को होने वाले कैंप में शामिल होंगे। खास बात है कि 81 वर्षीय लगातार राजनीति में सक्रिय बने हुए हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की मूर्ति पर पोती कालिख,माहौल तनावपूर्ण

बांदा, 31 अक्टूबर 2022। यूपी के बांदा में लगी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की मूर्ति परअराजक तत्वों ने कालिख पोत दी. इस मामले से इलाके में हड़कंप मच गया है. सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन के आलाधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. इसके बाद पुलिसकर्मी कालिख की सफाई कराने में जुट गए. मामला शहर कोतवाली के बाबूलाल चौराहा इंदिरा गांधी पार्क का है. आज भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस की दिवंगत नेता इंदिरा गांधी का शहादत दिवस है.

इस मौके पर कांग्रेस के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में पार्क पहुंचे थे. मूर्ति पर कालिख देखकर उनके होश उड़ गए. उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को दी. सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस प्रशासन के अधिकारी जांच में जुट गए.।

पत्नी ने आशिक के साथ मिलकर की पति की बेरहमी से हत्या

जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ, 31 अक्टूबर 2022। लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र में पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी. हत्या के बाद दोनों फरार हो गए. इस घटना के बारे में महिला के 11 वर्षीय बेटे ने पुलिस को जानकारी दी. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पुलिस का कहना है कि उन्हें सुसाइड की सूचना मिली थी. मौके पर पहुंचकर शव उतारा. मृतक के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है. जानकारी के मुताबिक, 35 वर्षीय प्रदीप अपने दो बच्चों के साथ लखनऊ के मोहनलालगंज के धनवारा गांव में रहता था.

प्रदीप की पत्नी ज्योति अपने प्रेमी योगेंद्र उर्फ रंगोली के साथ चली गई थी. बताया जा रहा है कि ज्योति का मुंहबोला मामा रंगोली है. ज्योति अपने साथ 13 साल की बेटी को भी ले गई थी. मृतक के बेटे ने पुलिस को बताया कि रविवार-सोमवार की दरम्यानी रात करीब 8 बजे उसकी मां और रंगोली घर आए थे. इसके बाद मां और रंगोली ने मिलकर पापा को बेरहमी से पीटा. रंगोली ने प्रदीप के बेटे को छत पर बने एक कमरे में कैद कर दिया और पिता को फांसी फंदे से लटका दिया. उसने जाते समय कमरा खोल दिया.

सुबह होने पर आस-पास के लोगों को दी घटना की जानकारी

मृतक के बेटे ने पुलिस को बताया कि जब उसने ऊपर के कमरे से नीचे आकर देखा, तो उसके पापा फंदे से लटक रहे थे. इस दौरान उसने उन्हें कुर्सी दी, लेकिन कुर्सी गिर गई. वह रातभर पापा के शव के साथ ही कमरे में बैठा रहा. जब सुबह हुई, तो आस-पास के लोगों को जानकारी दी. वहीं, पति प्रदीप की मौत की सूचना के बाद पत्नी ज्योति घर आई, लेकिन ग्रामीणों ने घर में घुसने नहीं दिया.

14 साल पहले हुई थी शादी, दो साल से बेरोजगार था प्रदीप

प्रदीप की शादी लगभग 14 साल पहले ज्योति से हुई थी. दो वर्ष पूर्व प्रदीप का काम छूट गया, तो वह मजदूरी करने लगा. घर के खर्चे पूरे नहीं हो रहे थे, जिसके बाद घर में कलह शुरू हो गई. धीरे-धीरे पति-पत्नि में दूरियां बढ़ने लगीं. इसी बीच डेढ़ साल से ज्योति का अफेयर रंगोली नाम के व्यक्ति से हो गया. रंगोली से अफेयर के बाद ज्योति का अक्सर अपने पति प्रदीप से विवाद होता था. रंगोली और ज्योति के अफेयर की बात जब प्रदीप को पता चली, तो घर में झगड़ा शुरू हो गया. इसके बाद ज्योति ने प्रदीप को टॉर्चर करना शुरू कर दिया.

मृतक की पत्नी ने अपने नाम करवा ली थी संपत्ति

बताया जा रहा है कि ज्योति ने प्रदीप की संपत्ति भी अपने नाम करवा ली. दो महीने पहले प्रदीप ने ज्योति को घर से निकाल दिया. ज्योति अपने साथ अपनी बड़ी बेटी को भी लेकर गई थी, जबकि एक बेटा और बेटी प्रदीप के साथ ही थे. मोहनलालगंज के एसएचओ कुलदीप दुबे ने बताया कि पुलिस को आत्महत्या की सूचना मिली थी, जिसके चलते पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची. छानबीन के साथ जांच-पड़ताल की. मृतक के परिजन ने योगेंद्र उर्फ रंगोली नाम के युवक पर हत्या का आरोप लगाया है. मृतक प्रदीप के भाई की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण स्पष्ट होगा. फिलहाल पुलिस मृतक की पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।.

संपादकीय

विदेश नीति में नई सोच ?

नई परिस्थितियों में भारत जैसे बड़े और महत्त्वपूर्ण देश के लिए लंबे समय तक अस्पष्टता का शिकार रहना संभव नहीं रह गया है। इसीलिए विदेश मंत्री के ताजा बयान ने ध्यान खींचा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर का ग्लोबल साउथ के साथ हमेशा खड़े रहने और संयुक्त राष्ट्र के प्रभाव को मजबूती देने के लिए लगातार प्रयास करने की घोषणा महत्त्वपूर्ण है। जयशंकर ने यह संकल्प संयुक्त राष्ट्र दिवस- 24 अक्टूबर- को एक विशेष वक्तव्य में जताया। अगर यह बयान संपूर्ण पुनर्मूल्यांकन पर आधारित और सुविचारित है, तो इसे भारतीय विदेश नीति में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जाएगा। इसलिए कि 1990 के दशक से लेकर हाल तक भारत ने इस बारे में स्पष्ट रुख ना रखने के कारण दुनिया में न सिर्फ विकासशील देशों का स्वाभाविक नेतृत्व गवां दिया, बल्कि वैश्विक मामलों में उसकी आवाज भी कमजोर होती चली गई। ये दौर धनी देशों के साथ समीकरण बनाने की कोशिश का रहा। लेकिन कुल नतीजा यह रहा कि धनी देश भारत को एक बाजार की नजर से देखते रहे और साथ ही उसे अपना पिछलग्गू समझने लगे। दुनिया में भारत की ऐसी ही छवि बनती चली गई। बहरहाल, यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से भारत ने अपनी विदेश नीति में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। दरअसल, यूक्रेन युद्ध के बाद बनी परिस्थितियों में दुनिया दो खेमों में बंटती चली गई है।अगर पश्चिमी मीडिया के पास नैरेटिव थोपने की ताकत के बावजूद अब यह सबको स्पष्ट नजर आ रहा है कि अमेरिका और अन्य पश्चिमी देश इस युद्ध के बाद बनी परिस्थितियों में दुनिया को अपने ढंग से हांकने में सफल नहीं हुए हैं। ऐसे में भारत जैसे बड़े और महत्त्वपूर्ण देश के लिए लंबे समय तक अस्पष्टता का शिकार रहना संभव नहीं रह गया है। इसीलिए विदेश मंत्री के ताजा बयान ने ध्यान खींचा है। व्यावहारिक रूप से भारत ने इस बीच ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे उभरते वैकल्पिक ढांचों में अपनी सक्रिय भूमिका बनाए रखी है। साथ ही वह डॉलर से कारोबार को अलग करने की दुनिया में आगे बढ़ रही परिघटना में भी एक हद तक शामिल रहा है। इससे ग्लोबल साउथ में भारत को लेकर दिलचस्पी बढ़ी है। अब विदेश मंत्री के बयान को इस बात का संकेत समझा जाएगा कि भारत ने हाल में भूमिका निभाई है, वह उसकी बदलती सोच का परिणाम है।

आर्यों का निवास और वैदिक संस्कृतियों-संस्कारों का घर हरियाणा

डॉ. सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी) भिवानी, हरियाणा

पंजाब पुनर्गठन अधिनियम (और राज्य पुनर्गठन आयोग की पूर्व सिफारिशों के अनुसार) के पारित होने के साथ, सरदार हुकम सिंह संसदीय समिति की सिफारिश पर हरियाणा 1966 में पंजाब से अलग होकर भारत का 17 वां राज्य बन गया। इस समिति के गठन की घोषणा 23 सितंबर 1965 को संसद में की गई थी। 23 अप्रैल, 1966 को हुकुम सिंह समिति की सिफारिश पर कार्य करते हुए, भारत सरकार ने विभाजन और विभाजन के लिए न्यायमूर्ति जे.सी. शाह की अध्यक्षता में शाह आयोग की स्थापना की। लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा को ध्यान में रखते हुए पंजाब और हरियाणा की सीमाओं की स्थापना की। आयोग ने 31 मई, 1966 को अपनी रिपोर्ट दी। हरियाणा उत्तर पश्चिम भारत में 27 डिग्री 39% एन से 30 डिग्री 35% एन अक्षांश और 74 डिग्री 28% ई से 77 डिग्री 36% ई देशांतर के बीच और समुद्र तल से 700-3600 फीट की ऊंचाई के साथ स्थित है। हरियाणा की राजधानी, चंडीगढ़, इसके पड़ोसी राज्य पंजाब द्वारा साझा की जाती है, जिसे स्विस मूल के फ्रांसीसी वास्तुकार, ले कॉर्बूसियर द्वारा डिजाइन किया गया है। 44,212 वर्ग किमी में, हरियाणा भारत के भौगोलिक क्षेत्र का 1.34त्न कवर करता है।

1 नवंबर 1966 को पंजाब से अलग होकर हरियाणा 17वें भारतीय राज्य के रूप में बना था। हरियाणा के नाम की उत्पत्ति के बारे में विविध व्याख्याएं हैं। प्राचीन काल में इस क्षेत्र को ब्रह्मवर्त, आर्यावर्त और ब्रह्मोपदेश के नाम से जाना जाता था। ये नाम हरियाणा की भूमि पर ब्रह्म-भगवान के उद्भव पर आधारित हैं; आर्यों का निवास और वैदिक संस्कृतियों और अन्य संस्कारों के उपदेशों का घर। इसके अन्य नाम बहुधान्यक और बहुधन हरियाणा को भरपूर अनाज और अपार धन की भूमि के रूप में सुझाते हैं। हरियाणा उत्तर पश्चिम भारत में 27 डिग्री 39% एन से 30 डिग्री 35% एन अक्षांश और 74 डिग्री 28% ई से 77 डिग्री 36% ई देशांतर के बीच और समुद्र तल से 700-3600 फीट की ऊंचाई के साथ स्थित है। हरियाणा की राजधानी, चंडीगढ़, इसके पड़ोसी राज्य पंजाब द्वारा साझा की जाती है, जिसे स्विस मूल के फ्रांसीसी वास्तुकार, ले कॉर्बूसियर द्वारा डिजाइन किया गया है। 44,212 वर्ग किमी में, हरियाणा भारत के भौगोलिक क्षेत्र का 1.34त्न कवर करता है।

वर्तमान राज्य हरियाणा में शामिल क्षेत्र 1803 में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी को सौंप दिया गया था। 1832 में इसे ब्रिटिश भारत के तत्कालीन उत्तर-पश्चिमी प्रांतों में स्थानांतरित कर दिया गया और 1858 में हरियाणा पंजाब का हिस्सा बन गया। ब्रिटिश सरकार की दमनकारी नीति के कारण इस क्षेत्र में शिक्षा, व्यापार, उद्योग, संचार के साधन और सिंचाई के क्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण विकास नहीं हुआ। नतीजतन यह 19वीं सदी के दौरान पिछड़ा रहा। हरियाणा और पंजाब के बीच मिलन अजीब था, मुख्यतः दो क्षेत्रों के बीच धार्मिक और भाषाई मतभेदों के कारण~ पंजाब के पंजाबी भाषी सिख, हरियाणा के हिंदी भाषी हिंदुओं की तुलना में। दिसंबर 12,1911 को कलकत्ता से दिल्ली में राजधानी के परिवर्तन के साथ, हरियाणा क्षेत्र और अलग हो गया था। 1920 के दशक में, दिल्ली जिले में कुछ बदलाव मुस्लिम लीग और क्षेत्र के लोगों द्वारा दिल्ली के आयुक्त सर जे.पी. थॉमसन को सुझाए गए थे। 1928 में, दिल्ली में सर्वदलीय सम्मेलन ने फिर से दिल्ली की सीमाओं के विस्तार की मांग की। इसके अलावा, हरियाणा के एक अलग राज्य के लिए आंदोलन का नेतृत्व लाला लाजपत राय और आसफ अली, दोनों भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में प्रमुख शख्सियतों के साथ-साथ नेकी राम शर्मा द्वारा किया गया था, उन्होंने एक स्वायत्त राज्य की अवधारणा को विकसित करने के लिए एक समिति का नेतृत्व किया था।

1931 में दूसरे गोलमेज सम्मेलन में, तत्कालीन पंजाब सरकार के वित्तीय आयुक्त और गोलमेज सम्मेलन के भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सचिव सर जेफ्री कॉर्बेट ने पंजाब की सीमाओं के पुनर्गठन और पंजाब से अंबाला डिवीजन को अलग करने का सुझाव दिया। 1932 में, देशबंधु गुप्ता ने कहा कि ÷हिंदी भाषी क्षेत्र कभी भी पंजाब का हिस्सा नहीं रहा था। इस क्षेत्र के विकास के लिए यह आवश्यक था कि इसे पंजाब से अलग किया जाए और दिल्ली, राजस्थान और इसके आसपास के कुछ हिस्सों को मिलाकर एक नया राज्य बनाया जाए। ग्रेटर दिल्ली या विशाल हरियाणा के निर्माण की मांग को महात्मा गांधी, मोती लाल नेहरू, आसफ अली, सर छोटू राम और ठाकुर दास भार्गव ने उठाया; 1947 में आजादी के बाद हरियाणा पंजाब का हिस्सा बना रहा, लेकिन अलग-अलग राज्यों की मांग - हिंदुओं और सिखों दोनों द्वारा समर्थित - निरंतर, कम नहीं हुई। वास्तव में, आंदोलन ने गति पकड़ी, 1960 के दशक की शुरुआत में अपनी पूरी तीव्रता तक पहुंच गया।

अंत में, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम (और राज्य पुनर्गठन आयोग की पूर्व सिफारिशों के अनुसार) के पारित होने के साथ, सरदार हुकम सिंह संसदीय समिति की सिफारिश पर हरियाणा 1966 में पंजाब से अलग होकर भारत का 17 वां राज्य बन गया। इस समिति के गठन की घोषणा 23 सितंबर 1965 को संसद में की गई थी। 23 अप्रैल, 1966 को हुकुम सिंह समिति की सिफारिश पर कार्य करते हुए, भारत सरकार ने विभाजन और विभाजन के लिए न्यायमूर्ति जे.सी. शाह की अध्यक्षता में शाह आयोग की स्थापना की। लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा को ध्यान में रखते हुए पंजाब और हरियाणा की सीमाओं की स्थापना की। आयोग ने 31 मई, 1966 को अपनी रिपोर्ट दी। इस रिपोर्ट के अनुसार हिसार, महेंद्रगढ़, गुड़गांव, रोहतक और करनाल के तत्कालीन जिलों को नए राज्य हरियाणा का हिस्सा बनना था। इसके अलावा, जींद (जिला संगरूर), नरवाना (जिला संगरूर), नारायणगढ़, अंबाला और जगाधरी की तहसीलों को भी शामिल किया जाना था।

चंडीगढ़ शहर और रूपनगर जिले के एक पंजाबी भाषी क्षेत्र को पंजाब और हरियाणा दोनों की राजधानी के रूप में कार्य करते हुए एक केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया। राजीव-लोंगोवाल समझौते के अनुसार, चंडीगढ़ को 1986 में पंजाब राज्य में स्थानांतरित किया जाना था, लेकिन स्थानांतरण में देरी हुई और इसे अब तक निष्पादित नहीं किया गया है। 1803 में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन की स्थापना के साथ हरियाणा में अस्थिरता की अवधि समाप्त हो गई थी। लेकिन हरियाणा के लोगों ने नए आकाओं को स्वीकार नहीं किया और जाति और धर्म के बावजूद अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह कर दिया। अंबाला, करनाल और थानेसर के सिख प्रमुखों ने कंपनी शासन का विरोध करने वाले पहले व्यक्ति थे। पश्चिमी हरियाणा के मुस्लिम भट्टी राजपूतों ने सिरसा के जबीता खान और फतेहाबाद के रानिया और खान बहादुर खान के नेतृत्व में अंग्रेजों के खिलाफ संगठित हुए। नवंबर 1809 में कर्नल एडम्स को फतेहाबाद, सिरसा और रानिया पर हमला करने के लिए एक बड़ी टुकड़ी के साथ भेजा गया और अभियान के दौरान सभी लड़ाइयों में विजयी हुए।

दूसरा एंग्लो-सिख युद्ध (1848-49) सिख साम्राज्य और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच लड़ा गया था और इसके परिणामस्वरूप 21 फरवरी 1849 को गुजरात की लड़ाई हुई, जिसमें अंग्रेजों ने सिखों को हराया। इसके परिणामस्वरूप, 2 अप्रैल 1849 को उन्होंने पंजाब को ब्रिटिश भारत का एक नया प्रांत घोषित किया। इसमें अधिकांश हरियाणा शामिल था, जबकि शेष पर लोहारू, नाभा, जींद और पटियाला की रियासतों का शासन था। 1850 में थानेसर राज्य को अंग्रेजों ने जब्त कर लिया था और अधिकांश सिख प्रमुख सामान्य जागीरदारों की स्थिति में आ गए थे। तब अंग्रेजों ने विलय और चकबंदी के तरीकों का सहारा लिया। 1857 में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का बिगुल मेरठ में फैलने से लगभग नौ घंटे पहले 10 मई, 1857 को अंबाला में हरियाणा के लोगों द्वारा पहली बार बजाया गया था। अहिरवाल में राव तुला राम, पलवल में गफ्फूर अली और हरसुख राय, फरीदाबाद में धनु सिंह, बल्लभगढ़ में नाहर सिंह आदि हरियाणा में विद्रोह के महत्वपूर्ण नेता थे। कई लड़ाइयाँ रियासतों के शासकों द्वारा और किसानों द्वारा भी लड़ी गईं। कुछ सबसे महत्वपूर्ण लड़ाइयाँ सिरसा, सोनीपत रोहतक और हिसार में लड़ी गईं, सिरसा में चोरमार का प्रसिद्ध युद्ध लड़ा गया था।

आओ क्रूरता मुक्त जीवन शैली बनाने शाकाहारी बनें

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

आधुनिक समाज में शाकाहारी आहार स्वस्थ जीवन शैली बनाने सबसे आश्चर्यजनक और दिलचस्प आहारों में से एक है वैश्विक स्तरपर हमने कई बार स्वाइन फ्लू बर्ड फ्लू नामक बीमारियों के नाम सुने हैं लेकिन अभी दो साल से हम सब कोरोना महामारी से पीड़ति होकर उभरे हैं या यूं कहें कि अभी भी शुरू है। यह बीमारी भी चमड़े जानवर से प्रसारित हुई थी ऐसी जानकारी मीडिया में आई थी याने अनेक बीमारियों का प्रवाह मनुष्य में संक्रमण जानवरों से होता है जिससे गुर्दे का रोग अल्सर कैंसर चर्मरोग जैसी अनेक बीमारियों की संभावना होती है हालांकि हम इसकी सत्यता को प्रमाणित नहीं कर रहे हैं परंतु इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया में अनेक बार ऐसी जानकारियां आती रहती है जो बताती है कि मांसाहार स्वस्थ जीवन के लिए अपेक्षाकृत सुदृढ़ आहार नहीं है दूसरी ओरमांसाहार के बढ़ते दौर से पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचने की संभावना बनी रहती है इसीलिए ही रिचर्ड आर्टन मुख्य संपादक लासेन (मेडिकल जरनल) ने कहा है धरती पर जीवन बनाए रखने में कोई भी चीज मनुष्य को उतना फायदा नहीं पहुंचाएगी जितना कि शाकाहार का मिल रहा है। हालांकि कहा जाता है कि विश्व में सबसे अधिक शाकाहारी जीव भारत में ही रहते हैं, क्योंकि 1 नवंबर 2022 को विश्व शाकाहारी दिवस हम मना रहे हैं। हालांकि मीडिया में यह दिवस 1 अक्टूबर को भी बताया गया है। परंतु नई जानकारी के मुताबिक 1 नवंबर को इसलिए चुना गया क्योंकि यह हेलोवीन (31 अक्टूबर) और ऑल सोल्स डे (2 नवंबर) के बीच आता है, इसलिए वालिस को इन दोनों के साथ मेल खाने वाली तारीख पसंद आई जो दावत और उत्सव के लिए एक पारंपरिक समय प्रदान करता है और शाकाहारी दिन उसके लिए पूरी तरह से फिट बैठता है इसीलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से विश्व शाकाहारी दिवस 1 नवंबर 2022 पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम शाकाहारी जीवनशैली की करे तो, शाकाहार एक जीवन शैली है जिसे प्रत्येक व्यक्ति स्वस्थ जीवन के लिएचुनता है। एक अच्छी और स्वस्थ जीवन शैली के लिए शाकाहारी भोजन के अपने फायदे हैं, कई स्वास्थ्य लाभ हैं जो एक शाकाहारी आहार प्रदान करता है और इसलिएलोगों को शाकाहारी आहार के स्वास्थ्य लाभों के बारे में जागरूक करने और इसे बढ़ावा देने के लिए विश्व शाकाहारी दिवस मनाया जाता है।भारत में ज्यादातर लोगशाकाहारी भोजन खाना पसंद करते हैं। बीमार होने पर अक्सर डॉक्टर फल और सब्जियां खाने की सलाह देते हैं. यानि शरीर को ठीक करने में वेजिटेरियन खाना फायदा करता है। शाकाहारी खाने में भरपूर पोषक तत्व पाए जाते हैं। फल, सब्जियां, दालों और अनाज विटामिन और मिनरल्स का भंडार हैं। हालांकि दुनिया में सिर्फ 10 फ़ीसदी आबादी ही शाकाहारी है, जिसमें से सबसे ज्यादा संख्या भारत में है। अगर हम भी वेजिटेरियन हैं तो आज का दिन हमारे लिए सेलिब्रेशन का दिन होना चाहिए क्योंकि आज 1 नवंबर को हर साल विश्व शाकाहारी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

साथियों बात अगर हम शाकाहारी भोजन के स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए फायदों की करें तो शाकाहारी भोजन न सिर्फ स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है बल्कि पर्यावरण के लिए भी अच्छा है। शाकाहारी खाने में सब्जियों, बीज, फलियां, फल, नट्स और अनाज शामिल होते हैं। इसमें पशु उत्पाद जैसे, डेयरी और शहद भी शामिल हैं। इस दिन लोगों को पर्यावरण को सुरक्षित रखने, पशु कल्याण और जानवरों को बचाने पर जोर दिया जाता है। लोगों को शाकाहारी भोजन के फायदों के बारे में बताया जाता है। ये फायदेमंद है शाकाहारी भोजन (1) - वेजिटेरियन डाइट हाई फाइबर डाइट होती है, जिससे हमारी गट हेल्थ अच्छी रहती है। इससे पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे कब्ज, पेट दर्द, और भारीपन दूर होता है। (2) - शाकाहारी खाना न सिर्फ शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि इससे आपकी उम्र भी बढ़ती है और शरीर बीमारियों से दूर रहता है। (3) - वजन घटाने, कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल रखने, डायबिटीजऔर हार्ट के खतरे को कम करने के लिए भी वेजिटेरियन डाइट लेने की सलाह दी जाती है। (4)-बालों को मजबूत बनाने और स्किन को हेल्दी और चमकदार बनाने के लिए भी वेजिटेरियन डाइट अच्छी मानी जाती है। (5) - शाकाहारी खाने से शरीर को जरूरी विटामिन और मिनरल्स आसानी से मिल जाते हैं। साथियों बात अगर हम विश्व शाकाहारी दिवस मनाने की करें तो, विश्व शाकाहारी दिवस लोगों को पशु उत्पादों को छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए पर्यावरणीय विचारों, पशु कल्याण और व्यक्तिगत स्वास्थ्य लाभों पर जोर देने के लिए मनाया जाता है यूनानी दार्शनिक और गणितज्ञ पाइथागोरस इस आहार का समर्थन करते थे जिनके नाम पर ये नाम रखा गया था। इसके बाद 1960 के दशक में अमेरिका और ब्रिटेन में भी शाकाहारी खाने को लेकर जागरुकता बढ़ने लगी। इसके बाद 1977 में उत्तर अमेरिकी वेजिटेरियन सोसाइटी ने हर साल 1 अक्टूबर को विश्व शाकाहारी दिवस में मनाने की घोषणा की, मांसाहारी लोगों को किन-किन बीमारियाँ होने की संभावना होती है? यह है डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, दिल की बीमारी, कैंसर, गुर्दे का रोग, अल्सर, बर्ड फ्लू, स्वाइन फ्लू जैसी कई बीमारियां होने की अधिक सम्भावना होती हैहालांकि इस आर्टिकल का उद्देश्य इसे साबित करना नहीं है बल्कि शाकाहार के लिए स्वास्थ्य और पर्यावरण को सुरक्षात्मक उपायों तक पहुंचाना है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि

शाकाहारी मनुष्यः दीर्घायुः भवति

आओ क्रूरता मुक्त जीवन शैली बनाने शाकाहारी बने। आधुनिक समाज में शाकाहारी आहार स्वस्थ जीवन शैली बनाने के लिए सबसे आश्चर्यजनक और दिलचस्प आहारों में से एक है।

मिलावटखोरों को फांसी क्यों नहीं ?

आज की बड़ी खबरों में कई खबरें हैं। जैसे नफरती भाषणों के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय की फटकार, आतंकवाद के खिलाफ प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की गुहार और इमरान खान के चुनाव लड़ने पर पांचवर्षीय प्रतिबंध आदि लेकिन मेरा ध्यान चार खबरों ने सबसे ज्यादा खींचा। वे हैं- नकली प्लेटलेट, नकली जीरा, नकली घी और नकली तेल के बारे में। दिवाली के मौके पर गरीब से गरीब आदमी भी खाने-पीने की चीजें दिल खोलकर खरीदना चाहता है लेकिन जो चीजें बाजार में उसे मिलती हैं, उनमें से कई नकली तो होती ही हैं, वे उसके लिए प्राणलेवा भी सिद्ध हो जाती है।

प्रयागराज के एक निजी अस्पताल में भर्ती मरीज की मौत इसलिए हो गई कि डाक्टरों ने उसकी नसों में प्लाज्मा चढ़ाने की बजाय मौसम्बी का रस चढ़ा दिया। इस नकली प्लाज्मा की कीमत 3 हजार से 5 हजार रु. है। नकली प्लाज्मा ने मरीज की जान ले ली। प्रयागराज की पुलिस ने दस लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। लगभग इसी तरह का काम गोरखपुर में नकली तेल बेचने का, दिल्ली में नकली जीरा खपाने का और कुछ शहरों में नकली घी और दूध भी पकड़ा गया है।

दिवाली के मौके पर पड़े इन छापों से पता चला है कि ये नकली चीजें, असली चीजों के मुकाबले ज्यादा बिकती हैं, क्योंकि उनकी कीमत लगभग आधी होती है और दुकानदारों को मुनाफा भी ज्यादा मिलता है। जो लोग इन चीजों को खरीदते हैं, उन्हें पता ही नहीं चलता है कि वे असली हैं या नकली हैं, क्योंकि उनके डिब्बे इतने चिकने-चुपड़े होते हैं कि उनके सामने असली चीजों के डिब्बे या पेकेट पानी भरते नजर आते हैं।कई नकली चीजें न कोई फायदा करती हैं न नुकसान करती हैं, लेकिन कुछ नकली चीजें उन्हें सेवन करनेवालों की जान ले लेती हैं और कई चीजें इतने धीरे-धीरे जान का खतरा बन जाती हैं कि उसके उपभोक्ताओं को उसका पता ही नहीं चलता। यह मामूली अपराध नहीं है। यह हत्या से भी भयंकर जुर्म है। यह सामूहिक हत्या है। यह कुकर्म सिर्फ खाने-पीने की चीजों में ही नहीं होता, यह अक्सर दवाइयों में भी बड़ी चालाकी से किया जाता है। इस तरह के मिलावटखोरों को पकड़ने के लिए सरकार ने अलग विभाग बना रखा है और ऐसे अपराधियों के विरुद्ध कानून के कई प्रावधान भी हैं।

2006 के 'खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम' के अनुसार ऐसे अपराधियों पर 10 लाख रु. तक जुर्माना और छह माह से लेकर उम्र कैद तक की सजा भी हो सकती है। लेकिन मैं पूछता हूं कि आज तक कितने लोगों को यह कठोरतम दंड मिला है? हमारी सरकारों और अदालतों को अपूर्व सख्ती से पेश आना चाहिए। मेरी राय में यह कठोरतम दंड भी बहुत नरम है। इन सामूहिक हत्या के अपराधियों को सजा-ए-मौत होनी चाहिए। और वह मौत भी ऐसी कि हर भावी अपराधी के वह रोंगटे खड़े कर दे।ऐसे अपराधियों को तत्काल फांसी पर लटका दिया जाना चाहिए और फांसी का जीवंत प्रसारण सारे टीवी चैनलों पर अनिवार्य रूप से दिखाया जाना चाहिए। यह सब लोग हत्या के उस जघन्य अपराध में भागीदार रहे होते हैं। यदि देश में दो-चार मिलावटखोरों को भी फांसी हो जाए तो करोड़ों लोगों की जीवन-रक्षा अपने आप हो जाएगी।

-वेद प्रताप वैदिक-

भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को आहत करती धार्मिक कट्टरता एवं हिंसा

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है स्वतंत्रता के बाद से भारत के संविधान में लोकतंत्र को सर्वोपरि स्थान दिया गया हैद्य देश की भौगोलिक तथा जनसंख्यात्मक विशालता में कुछ तत्व सांप्रदायिक हिंसा एवं अराजकता के परिस्थितियों के कारण उत्पन्न हो सकते हैं, पर भारतीय लोकतंत्र की महानता एवं विशालता है कि इससे संवैधानिक भारतीय लोकतंत्र को बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, पर यह तय है कि सांप्रदायिक हिंसा एवं धार्मिक कट्टरता से लोकतंत्र की अवधारणा थोड़ी दिग्भ्रमित जरूर होती है पर इसकी मजबूती ना तो पहले कम हुई है और ना ही भविष्य में होने की कोई गुंजाइश ही है। हिंसा ,विवाद किसी भी बात का कोई हल नहीं। यह लोकतंत्र के लिए एक धब्बे के समान है। किसी भी देश में लोकतंत्र की आम धारणा आपसी सद्भाव और समभाव को लेकर आधारभूत रचनात्मक रूप से की गई है। विश्व के शांति प्रस्तावक भारत देश में हिंसा और हिंसक आंदोलन की कोई जगह नहीं एवं यह किसी धार्मिक, सामाजिक अथवा आर्थिक असहमति का परिणाम तो कतई नहीं हो सकती है।भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक,प्रजातांत्रिक स्वतंत्र राष्ट्र है।वैचारिक चिंतन, प्रभुद्धता लोकतंत्र के प्रमुख अवयव होते हैं, राष्ट्र के किसी भी नीति में सहमत और असहमत होना एक सामान्य प्रक्रिया, प्रतिक्रिया हो सकती है, और आम जनमानस का किसी मुद्दे पर आप सहमत होना भी एक सामान्य बात हो सकती है पर किन्ही भी परिस्थितियों में असहमति हिंसा के रूप में कतई बर्दाश्त के योग्य नहीं होनी चाहिए, विरोध का स्वरूप राष्ट्रीय संपत्ति की बर्बादी तो किसी भी काल और खंड में स्वीकार्य नहीं है। यह राष्ट्र के लिए घातक और विकास की अवधारणा को अवरुद्ध करने वाला आत्मघाती कदम है।आंदोलन का स्वरूप सदैव शांति पूर्वक हो तो राष्ट्र तथा आमजन के हित में ही होगा। आंदोलनकारियों को शायद यह गुमान नहीं है कि राष्ट्रीय सरकारी संपत्ति आपके द्वारा दिए गए टैक्स के रूप में रुपयों से ही निर्मित होती है, इसे नष्ट करके आप स्वयं अपनी संपत्ति का नुकसान ही कर रहे हैं। आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैंद्य देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू ,मुस्लिम,सिक्ख,इसाई जातीय संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय-समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्व हीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे धीरे खत्म होती जाएगी।

आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा। फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो। समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत में आजादी के 75 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी ,बेरोजगारी ,नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता,भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा,तब जाकर भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा। किसी बात का विरोध हिंसा के बिगड़े स्वरूप की तरफ शासकीय संपत्ति को नष्ट करना देश हित में नहीं।

गुजरा जमाना

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

फिर आज वो गुज़रा ज़माना याद आ गया
छोड़कर उनका वो जाना याद आ गया
होने लगी फिर आज दीवारों से गुफ़्तगु
तनहाईयों का वो फ़साना याद आ गया
ज़ख्मी दिल को और भी यूं कर गया जख्मी
लगता नहीं मौसम सुहाना याद आ गया
हो गई बेनूर सी कुछ इस तरह हयात
आईने से नज़रें चुराना याद आ गया
बारिश की गिरती बूदें यूं आ गईं करीब
दामन में अश्कों का छुपाना याद आ गया
लगने लगी है जिंदगी फिर बुत के यूं मानिंद
किस्मत का वो नज़राना फिर याद आ गया

यात्रा

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

है कौन बादल पार जो
रहा मुझको पुकार वो
उसे देखती हूँ नैन मूंद
बरसे कभी वो एक बूंद
मानो नन्हा मोती जैसे
उनपे टिका हुआ वो कैसे
उत्तुंग हिमालय छूकर आये
भागीरथी में मिल बह जाए
जलधि महोदधि लक्ष्य बिंदु के
अंत में हुई समाहित सिंधु में
अंत भी एक आरम्भ है देखो
नन्हे उस जलकण से सीखो
मिलकर धूप से हुई उत्सर्जित
पुनः बादलों में हुई अर्जित
रूप नवीन लिए उतरेगी
पुनः नई यात्रा पे निकलेगी

इबारत

ओमप्रकाश बिन्जवे ÷ राजसागर
भोपाल,मध्यप्रदेश

दरो ओ दीवार पे, लिखी है इबारत, पढ़ लेना,
मैं कौन हूं, मुझे किससे है शिकायत, पढ़ लेना।
गर मुझसे खफा हो तो,न देखना पलट के,
मेरे जाने के बाद, मगर मेरा ख़त, पढ़ लेना।
सबको जीने का हक मिले, आजादी के साथ,
मेरे मिटने के बाद, मेरी वसीयत, पढ़ लेना।
जहां खुल गये हैं, तिजारत के खूबसूरत घर ,
थी किसी शहीद की बेवा की इमारत, पढ़ लेना।
घर की चार दीवारी मे कैद हैं नन्हीं परियां,
मासूम आंखों मे है कौन सी दहशत, पढ़ लेना।
वो समझते हैं यारों, खुद को मालिक दो जहां का,
ढह जाएगी एक दिन जुल्म की सल्तनत पढ़ लेना।

मेरा वास्ता

आशीष शर्मा अमृत
जयपुर, राजस्थान

तय कर रहा हूँ मैं ज़िन्दगी का रास्ता
रख ईश्वर पर मैं,अपनी पूरी आस्था
जब मिला ईश्वर का है आशीष मुझे
फिर निराशा से क्यूँ रहे मेरा वास्ता?
चाहे कितना भी कठिन हो ये रास्ता
अपनी काबलियत पे है पूरी आस्था
कोई डिगा नहीं सकता पथ से मुझे
नाकामियों से नहीं रहा मेरा वास्ता
ले जाएगा मंज़िल पे मुझे यही रास्ता
रख हौसला,टूटने नहीं देनी ये आस्था
बहुत सिखाया है इस दुनिया ने मुझे
झूठे हमदर्दों से नही अब मेरा वास्ता

भारतवासी जागो

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम गरियाबंद छत्तीसगढ़

सुनो सुनो नित ध्यान लगाओ।मन्द बुद्धि को जल्द जगाओ।।
झूठ व फरेब का दिन आया।घना अँधेरा कलयुग छाया।।
रोज नया आडम्बर रचते। आम आदमी भी ना बचते।।
अजब रही पैसों की माया। अंगारों पर जलती काया।।
आमदनी कम खर्चा ज्यादा। भूल गये रहने को सादा।।
विज्ञापन में चले जमाना। बिन सोचे समझे अपनाना।।
दौर मशीनों का यह आया। तन मन में आलस्य समाया।।
बढ़ी देह में जब बीमारी। मुश्किल से कटती जिनगानी।।
बढ़े देश में अत्याचारी। छूटे नहीं नित भ्रष्टाचारी।।
बनी नीम सी मानव वाणी। मृत्यु लोक की यही कहानी।।
ध्यान केंद्र कर आगे आओ। शिक्षा का तुम अलख जगाओं।।
दोष स्वार्थ का तुम भी त्यागो। भारतवासी अब तुम जागो।।

ओस की बूँद

गरिमा राकेश गौत्तम गर्विता
कोटा राजस्थान

बूँद हूँ मैं ओस की बूँद
भोर की बेला में इठलाती, इतराती
नखरे दिखाती मोती सा रूप धर
चमकी हूँ मैं।
बूँद हूँ ना मैं ओस की
आह मेरा भाग्य,दुर्भाग्यमें बदल गया,
वो इतराना इठलाना सब रश्मियों से
खत्म हो गया।
ओस की बूँद थी ना,
क्षणभर में मेरा अस्तित्व सिमट गया
क्षणभर की चमक थी
बढ़ता सूरज मेरी खुशी को लील गया।

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस

परमानंद सिवना (परमा)
डौण्डीलोहारा छत्तीसगढ़

1 नवम्बर सन् 2000 के
छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना होईस,
अपन भाषा संस्कृति के अलग
पहचान बनाइस. !
छत्तीसगढ़ आदिवासी राज्य ये,जिहा
परम्परा अभिमान हे,
राज्य गीत अरपा पैरी के धार हे. !
छत्तीसगढ़ में अनेकों त्यौहार हे,
छत्तीसगढ़ महतारी के उपकार हे. !
कुछ कुछ लोगन अपन भाषा बोले
मा सरम करथे,
जिहा जनमे खेले कुदे माता अउ
भाषा ला बुल जाथस. !
खेती किसानी इहा के मुख्य रोजगार ये,
गांव-गांव में ऐकता,समाज, सियान
इही हमर पहचान ये. !!

समांत आता,अपदान्त

प्रीति चौधरी मनोरमा
बुलंदशहर उत्तरप्रदेश

जीवन की आपाधापी में, समय
निकलता जाता,
कर ले अनुपम काज धरा पर, संत
यही बतलाता।
रुक जाए साँसों की सरगम, जाने
किस दिन प्राणी,
जीते जी जी ले जी भर कर, काल
निकट है आता।
बाधा देख नहीं अब डरना, साहस
दीप जला ले,
आशा का संबल पाकर ही, काज
सफल हो पाता।
दुख ही जीवन का साथी है, सुख है
ढलती छाया,
जो दुख की बरखा सह लेता, सुख
में वही नहाता।
माटी का है एक खिलौना, कंचन सी
यह काया,
पाप यहाँ जब मन के धुलते, तन
पावन कहलाता।
यह दुनिया है विषधर जैसी, देह
जहर घोलेगी,
चंदन बनकर रहना जग में, जो मन
को महकाता।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ चार दिवसीय महापर्व छठ संपन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।
लोक आस्था का महापर्व चार दिवसीय छठ सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर संपन्न हो गया। कठिन उपासना का यह पर्व पूरे जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अहले सुबह 3 बजे से ही श्रद्धालु छठ घाटों पर पहुंचना शुरू कर दिया था। सूर्य उदय होने से पहले ही श्रद्धालु नदी, तालाबों के ठंडे पानी में स्नान किया। जैसे ही भगवान भास्कर का उदीयमान हुआ लोगों ने अर्घ्य देना शुरू कर दिया। अर्घ्य देने का सिलसिला सुबह 7.30 बजे तक चलता रहा। भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के बाद छठ घाटों पर श्रद्धालुओं ने हवान पूजन किया और परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। इसके बाद श्रद्धालु अपने घर पहुंचे कर अन्न-जल ग्रहण कर 36 घंटे का कठिन व्रत तोड़ा।

चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व शुक्रवार को महान खान के साथ प्रारंभ हुआ था। जो सोमवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हो गया। रविवार की शाम व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया था। छठ को लेकर शहर के शंकर घाट, घुनघुट्टा डेम सहित लगभग एक दर्जन से ज्यादा छठ घाटों पर बड़े ही उत्साह व उमंग के साथ छठ व्रत मनाया गया। सभी छठ घाटों पर समितियों द्वारा व्यापक तैयारियां की गईं थीं। शंकरघाट स्थित छठ घाट पर रात्रि जागरण का आयोजन किया गया था। जिससे पूरी रात भक्तिभाव का माहौल रहा। वहीं श्याम घुंघुट्टा छठ सेवा समिति द्वारा व्यापक प्रबंध किए गए थे। यहां बनारस से आए पंडितों द्वारा किए गए गंगा आरती आस्था का केन्द्र रहा। गंगा आरती में काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। सुबह के अर्घ्य के समय काफी संख्या में श्रद्धालु छाट घाटों पर पहुंचे थे। अर्घ्य संपन्न होते ही लोग प्रसादन पाने के लिए लालाइत नजर आए। लोगों ने छठ ब्रतियों के पास जाकर प्रसाद मांगा। इसके बाद छठ ब्रतियों ने अपने घर पहुंच कर पड़ोसियों व रिश्तेदारों के घर प्रसाद पहुंचवाया।

ब्लैक बोर्ड के अभाव में पण्डो जनजाति के बच्चों का भविष्य अधर में

»अधिकारी नियमित रूप से नहीं करते निरीक्षण
» वर्तमान मुख्यमंत्री का फोटो गायब पूर्व मुख्यमंत्री का फोटो लगा रखे हैं शिक्षक

-मनोज कुमार-
लखनपुर, ,31 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।
एक तरफ राज्य की सरकार सरकारी स्कूलों में पढ़ाई और विद्यालय की स्थिति में सुधार के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर रही है वहीं दूसरी तरफ ब्लॉक में कई ऐसे विद्यालय हैं जहां मूलभूत सुविधाओं का अभाव है बच्चों को बैठने की जगह भी विद्यालय में मौजूद नही है।बच्चों की पढ़ाई बरामदे में जमीन पर बैठाकर कराई जाती है एक साथ तीन-चार कक्षाएं संचालित हो रही है स्कूलों में जगह की कमी के साथ-साथ बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। स्कूल में शौचालय के साथ-साथ पेयजल का भी अभाव है। शौचालय के लिए बच्चों के साथ-साथ महिला शिक्षकों को खुले मैदान अथवा आसपास के घरों में जाना पड़ता है ऐसा नहीं है कि वरिष्ठ अधिकारी इस बात से अनजान है। निदान के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया। कुछ ऐसा

ही मामला लखनपुर विकासखंड के ग्राम चिलबिल पंडो पारा प्राथमिक शाला का है जहां बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। प्राथमिक शाला पण्डो पारा में पहली से पांचवी तक 6 बच्चे अध्ययनरत हैं। पिछले डेढ़ वर्षों से ब्लैक बोर्ड के अभाव में शिक्षिका के द्वारा जमीन पर लिखकर बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। जिससे शिक्षिका को पढ़ाई कराने में तथा पण्डो जनजाति के बच्चों को पढ़ाई करने में काफी परेशानियों का सामना करना पढ़ता है। तो वही विद्यालय के 3 कमरों के दीवारों में दरार आ जाने पर स्कूलों की सभी कक्षाओं को बरामदे में संचालित किया जा रहा है साथ ही शौचालय के जीर्ण शीर्ण अवस्था में होने से बच्चों को व शिक्षकों शिक्षिकाओं को बाहर जाना पड़ता है। जिस प्रकार से वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिससे पण्डो जनजाति के बच्चो का भविष्य अधर है। तो वहीं शिक्षकों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्राथमिक शाला पण्डो पारा के शिक्षक नियमित रूप से स्कूल नहीं आते हैं।

इस संबंध में शिक्षिका श्रीमती रूपा मिंज के द्वारा बताया गया कि डेढ़ वर्षों से विद्यालय में ब्लैक बोर्ड का अभाव है जिससे प्रधान पाठक को अवगत कराया गया है। इसलिए मेरे द्वारा बच्चों को जमीन पर लिखकर पढ़ाया जा रहा है जिससे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।
श्रीमती रूपा मिंज
शिक्षिका
सरगुजा संभाग

सयुक्त संचालक हेमंत उपाध्याय ने कहा कि इस संबंध में हमने खंड शिक्षा अधिकारी से चर्चा कर रिपोर्ट मांगी है। हमारी प्राथमिकता होगी कि इन कमियों को दूर किया जाएगा और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।
हेमंत उपाध्याय
सयुक्त संचालक
स्कूल शिक्षा विभाग
सरगुजा संभाग

वर्तमान मुख्यमंत्री का फोटो गायब

सरकार बदलने के 4 साल बाद भी चिलबिल पंडो पारा प्राथमिक शाला में पूर्व मुख्यमंत्री का फोटो नहीं बदला जा सका आज भी छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह का फोटो दीवारों पर लगा हुआ है तो वहीं छत्तीसगढ के वर्तमान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का फोटो लगाना तथा पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह का फोटो हटाना प्रधान पाठक रामचरण भगत भूल गए।

सरगुजा संभाग में 153 सहकारी समितियों का नहीं हो सका निर्वाचन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।
भाजपा किसान मोर्चा जिला सरगुजा अध्यक्ष जनमेजय मिश्रा के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सहकारी समितियों के निर्वाचित बोर्ड के कार्यकाल को समाप्त कर नियम विरूद्ध पदस्थ किए गए जाने पर राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि वर्ष 2017 में निर्वाचित समस्त 1333 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के बोर्ड को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सोसाइटियों के पुनर्गठन करने के नाम पर 25 जुलाई 2019 को असंवैधानिक तरीके से भंग कर दिया गया था। तत्पश्चात शासन के आदेशानुसार सभी सोसाइटियों में प्राधिकृत अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई थी। अधिकांश सोसायटीयों के द्वारा हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई। उच्च न्यायालय द्वारा 22 नवंबर 2019 को बोर्ड की पुनः बहाली का आदेश जारी किया गया। इस प्रकार लगभग 4 माह तक अवैधानिक रूप से सोसाइटीयों के बोर्ड को भंग कर प्राधिकृत अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई थी जो नियम विरुद्ध थी। छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी का स्पष्ट प्रावधान है कि किसी बोर्ड को अतिष्ठित या निलंबित किया गया हो या अधिनियम के तहत हटाया गया हो तो किसी न्यायालय के या प्राधिकारी के आदेश के फलस्वरूप पुनः स्थापित हो जाती है। सरगुजा संभाग में 153 सहकारी समितियां है, जिसमें पूर्व की 104 समिति एवं नवगठित 49 समितिया है उनका भी आज तक निर्वाचन नहीं हुआ है। ज्ञापन सौंपने वालों में किसान मोर्चा जिला महामंत्री सोमनाथ सिंह, मनोज कंसारी, जिला उपाध्यक्ष काशी केशरी, नछत्तर सिंह, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष निरंजन राय, सुनील बघेल, दिवश दुबे, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष मनीष बारी, छोटे लाल माथुर, किसान मोर्चा मंडल महामंत्री मनोज प्रसाद सहित किसान मोर्चा के कार्यकर्ता शामिल रहे।

प्रतीक्षा बस स्टैंड से बाइक पार,जुर्म दर्ज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।
. प्रतीक्षा बस स्टैंड से एक व्यक्ति की बाइक अज्ञात चोर ने पार कर दी। वह इसकी रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार संजीव लकड़ा शहर के कुम्हार पारा स्थित आजाद वार्ड का रहने वाला है। वह 29 अक्टूबर को बाइक क्रमांक सीजी 15 डीके 0497 से प्रतीक्षा बस स्टैंड पार्सल लेने गया था। वह बाइक को पुलिस सहायता केन्द्र के सामने खड़ा किया था। कुछ देर बाद पार्सल लेकर वापस आया तो उसकी बाइक नहीं थी। वह इसकी रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पान दुकान में चोरी करने वाला एक आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।
राजमोहनी भवन के पास पान दुकान में चोरी करने वाला आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी अपने दो अन्य साथियों के साथ घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नमनाकला निवासी संजय सोनी का एमजी रोड स्थित राजमोहनी भवन के पास पान दुकान है। कुछ दिनों से अज्ञात व्यक्ति द्वारा ताला तोड़कर दुकाान में रखे सामान व नगदी चोरी की गई थी। दुकान संचालक ने इसकी रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई थी। दुकान संचालक की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवचना शुरू कर दी थी। मुखबिर की सूचना पर गांधीनगर टीआई कलीम खान ने संदेही लांबा उर्फ खालिद अशरफ साकिन मस्जिदपारा को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह अपने दो अन्य साथी रिज्जू और अस्सू के साथ घटना को कारित करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी लांबा उर्फ खालिद के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दी है। पुलिस ने उसके पास से चोरी की सामान व घटना में प्रयुक्त स्कूटी जब्त की है।

स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव के जन्मदिन पर 65 यूनिट किया गया रक्तदान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।.
जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा द्वारा स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव के जन्मदिन, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के शहादत दिवस और लौह पुरुष सरदार पटेल की जयंती पर विविध कार्यक्रम आयोजित किया गया। युवाओं द्वारा मेडिकल कॉलेज और ग्रामीण क्षेत्रों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उप स्वास्थ्य केंद्र करजी में 26 यूनित रक्तदान किया गया। जबकि मेडिकल कालेज अस्पताल में दर्जन भर से ज्यादा लोगों ने रक्तदान किया। सिर्फ ग्रमीण क्षेत्रों से 53 से ज्यादा लोगों ने रक्तदान कर नया कृतिमान बनाया है। स्वास्थ्य मंत्री के जन्मदिवस पर कुल 65 यूनिट रक्तदान किया गया है। जिसे मेडिकल कॉलेज ब्लड बैंक में संग्रहित किया गया है। कांग्रेसियों ने वृद्धा आश्रम में फल, मिष्ठान्न, कम्बल, रूम हीटर का वितरण किया। इस अवसर पर एक जरूरतमंद को ट्राई साइकिल दिया गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता के नेतृत्व आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में 11 सौ पौधे रोपे गए। जिसे शत प्रतिशत सुरक्षित रखने का संकल्प लिया गया।

कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में कार्यक्रम आयोजित कर स्व. इंदिरा गांधी और सरदार पटेल की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी। इस दौरान औषधीय पादप बोर्ड अध्यक्ष बाल कृष्ण पाठक, बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष अजय अग्रवाल, महापौर डॉ. अजय तिर्की, ब्लॉक अध्यक्ष हेमन्त सिन्हा, विनय शर्मा, हेमंती प्रजापति, दुर्गेश गुप्ता, सय्यद अख्तर हुसैन, आशीष वर्मा, बिज्जू गुप्ता, सतेंद्र तिवारी, जग्गनाथ कुशवाहा, अमित, प्रमोद चौधरी, गीता श्रीवास्तव, गीता रजक, संजय सिंह, उत्तम राजवाड़े, विकल झा, चंद्रप्रताप सिंह मग्गू, रौशन कनोजिया, अविनाश सिंह, दिलीप धर, सोहेल अली, कलीम अंसारी, काजू खान, सुनील सोनी, चुन्ना, अमित तिवारी (राजा), अंशु गुप्ता, शानू मुखर्जी, रीता मंडल, कुसुम मिंज, सकीला, गुरुप्रीत सिंह सिद्धू, विकास शर्मा, ओनिमेश सिन्हा, असफाक अली, हरभजन सिंह भामरा, नारद गुप्ता, राकेश सोनी, निलेश कश्यप, संतोष पांडेय, गीता, जयंत राजवाड़े, विशाल दास, रवि बड़ा, सोहन बड़ा, अमोस एक्का, अमीन किन्नो, जीवन एक्का, विनोद राजवाड़े, नरेंद्र राजवाड़े, महेंद्र परमेश्वर, पिंटू,योगेश, प्रमोद,सचिन, राजकुमार,उ मेश दास, आकाश, जितेंद्र,भीमसेन, आलोक सहित अन्य उपस्थित रहे।

अधिकारियों के मध्य हुआ नया कार्य विभाजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।.
कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री कुंदन कुमार द्वारा पूर्व में जारी कार्य विभाजन आदेश में संशोधन करते हुए अधिकारियों के मध्य नया कार्य विभाजन आदेश जारी किया गया है। इस आदेश के तहत जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विश्वदीप, अपर कलेक्टर श्री अमृत लाल ध्रुव, संयुक्त कलेक्टर श्री टी.सी. अग्रवाल, डिप्टी कलेक्टर श्री बीआर खाण्डे, डिप्टी कलेक्टर श्री जगत राम शतरंज, अनुविभागीय दण्डाधिकारी श्री प्रदीप कुमार साहू, अनुविभागीय दण्डाधिकारी सीतापुर श्री रवि राही, अनुविभागीय दण्डाधिकारी उदयपुर श्रीमती शिवानी जायसवाल, एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी धौरपुर श्री रामसिंह ठाकुर को दायित्व सौंपा गया है।
कलेक्टर ने अधिकारियों के अनुपस्थित रहने व मुख्यालय से बाहर रहने पर लिंक अधिकारी बनाया है। तद्नुसार जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विश्वदीप के लिंक अधिकारी अपर कलेक्टर श्री अमृत लाल ध्रुव, अपर कलेक्टर श्री अमृत लाल ध्रुव के लिंक अधिकारी संयुक्त कलेक्टर श्री टी.सी. अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर श्री टी.सी. अग्रवाल के लिंक अधिकारी अपर कलेक्टर श्री अमृत लाल ध्रुव, डिप्टी कलेक्टर श्री बी.आर. खांडे के लिंक अधिकारी डिप्टी कलेक्टर श्री जे.आर .शतरंज एवं डिप्टी कलेक्टर श्री जे.आर. शतरंज के लिंक अधिकारी डिप्टी कलेक्टर श्री बी.आर. खांडे को दायित्व सौंपा गया है।

आरक्षक पर शराबी ने डंडे से किया हमला

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।.
घुनघुट्टा स्थित छठ घाट के पास ड्यूटी कर रहे आरक्षक के साथ शराबी ने मारपीट किया है। आरक्षक ने आरोपी के खिलाफ दरिमा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।
पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार चंद्रभुषण तिवारी कंपनी बाजार अंबिकापुर का रहने वाला है। वह पुलिस चौकी रघुनाथपुर में आरक्षक के पद पर पदस्थ है और एसपी ऑफिस अंबिकापुर में कार्यरत है। छठ के अवसर पर इसकी ड्यूटी घुनघुट्टा छाठ घाट पर पार्किंग स्थलपर लगी थी। 30 अक्टूबर की रात 8.30 बजे शराब के नशे में एक व्यक्ति वहां आने-जाने वाले लोगों के साथ गाली गलौज कर रहा था। आरक्षक द्वारा उसे गाल गलौज करने से मना किया और उसे घर जाने को बोला। कुछ देर बाद पुनः डंडा लेकर वापस आया और आरक्षक चुद्रभुषण के सिर पर पिछले से हमला कर दिया पर डंडा उसके सिर पर न लगकर पैर पर लगा। इस दौरान साथ में ड्यूटी कर रहे अन्य पुलिसकर्मियों ने बीच बचाव किया। इस दौरान पुलिसकिर्मियों ने शराबी युवक को पड़कर पूछताछ की तो वह अपना नाम दिलसाय सिंह निवासी दरिमा बताया। पीड़ित आरक्षक ने आरोपी दिल साय के खिलाफ दरिमा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 323, 332, 186, 353, 294, 506 के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अडाणी समूह 1,000 अरब डॉलर का मूल्यांकन हासिल करने के लिए करेगा 150 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली , 31 अक्टूबर 2022। समूह का लक्ष्य 1,000 अरब डॉलर के मूल्यांकन वाली वैश्विक कंपनियों की विशिष्ट सूची में शामिल होने का है। अडाणी समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) जुगेशिंदर 'रॉबी' सिंह ने 10 अक्टूबर को वेंचुरा सिक्योरिटीज लि. द्वारा यहां आयोजित निवेशक बैठक में समूह की विकास योजनाओं का ब्योरा दिया।

एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अडानी का अडाणी समूह हरित ऊर्जा, डेटा केंद्र, हवाई अड्डे से लेकर स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में 150 अरब डॉलर से अधिक का निवेश करेगा। समूह का लक्ष्य 1,000 अरब डॉलर के मूल्यांकन वाली वैश्विक कंपनियों की विशिष्ट सूची में शामिल होने का है। अडाणी समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) जुगेशिंदर 'रॉबी' सिंह ने 10 अक्टूबर को वेंचुरा सिक्योरिटीज लि. द्वारा यहां आयोजित निवेशक बैठक में समूह की विकास योजनाओं का ब्योरा दिया।

वर्ष 1988 में एक व्यापारी के रूप में कारोबार शुरू करने वाले समूह ने काफी तेजी से बंदरगाह, हवाई अड्डा, सड़क, बिजली, नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली पारेषण, गैस वितरण और एफएमसजी क्षेत्र में पैर पसारे हैं। हाल के समय में समूह डेटा केंद्र, हवाई अड्डा, पेट्रोरसायन, सीमेंट और मीडिया जैसे क्षेत्रों में उतरा है। उन्होंने कहा कि समूह की अगले 5-10 साल में हरित हाइड्रोजन कारोबार में 50-70 अरब डॉलर और हरित ऊर्जा में 23 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना है।

यह बिजली पारेषण में सात अरब डॉलर, 'ट्रांसपोर्ट यूटिलिटी' में 12 अरब डॉलर और सड़क क्षेत्र में पांच अरब डॉलर का निवेश करेगा। समूह के क्लाउड सेवाओं के साथ डेटा केंद्र कारोबार में प्रवेश के लिए उसे एज कॉनेक्स के साथ साझेदारी में 6.5 अरब डॉलर का निवेश करना होगा और हवाई अड्डों के लिए 9-10 अरब डॉलर की योजना बनाई गई है। हवाई अड्डा क्षेत्र में समूह पहले ही सबसे बड़ा निजी परिचालक है। एसीसी और अंबुजा सीमेंट के अधिग्रहण के साथ सीमेंट क्षेत्र में प्रवेश के लिए समूह ने 10 अरब डॉलर का निवेश किया है।

समूह पेट्रोरसायन कारोबार में भी उतरा है। इसकी योजना दो अरब डॉलर के निवेश से 10 लाख टन सालाना का पीवीसी विनिर्माण संयंत्र लगाने की है। उन्होंने कहा कि अडाणी समूह एक अरब डॉलर के निवेश से पांच लाख टन सालाना का स्मेल्टर लगाएगा और इसके साथ तांबा क्षेत्र में उतरेगा। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में प्रवेश के तहत बीमा, अस्पताल और डायग्नॉस्टिक और फार्मा में सात से 10 अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा। इसमें से कुछ राशि अडाणी फाउंडेशन से मिलेगी। समूह का बाजार पूंजीकरण 2015 में 16 अरब डॉलर था। 2022 तक सात साल में यह 16 गुना होकर 260 अरब डॉलर पर पहुंच गया है।

वीरा ग्रुप स्काईवर्थ के साथ भारत में एंड्रॉइड, गूगल टीवी का निर्माण करेगा

नई दिल्ली , 31 अक्टूबर 2022। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता वीरा ग्रुप ने सोमवार को भारत में प्रमाणित एंड्रॉइड और गूगल टीवी बनाने के लिए एक प्रमुख वैश्विक प्रौद्योगिकी ब्रांड स्काईवर्थ के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की।

इस साझेदारी के साथ, स्काईवर्थ भारत में उच्चतम स्टैंडर्ड और लागत प्रभावी टीवी का उत्पादन करने के लिए एंड्रॉइड और गूगल टीवी के लिए अपने प्रौद्योगिकी समाधान के साथ वीरा की सहायता करेगा।

वीरा ग्रुप के संचालन निदेशक शरण मैनी ने एक बयान में कहा, ÷हम अपने उपयोगकर्ताओं के लिए बेहतर अनुभव लाने के लिए इस साझेदारी के लिए तत्पर हैं, स्मार्ट टीवी को एक सुखद अनुभव बनाते हैं।÷

उन्होंने कहा, ÷वीरा में एंड्रॉइड टीवी के इस विकास के साथ, हम अपने ग्राहकों को एलईडी टीवी के निर्माण में अधिक भारत-केंद्रित, लागत प्रभावी और तेजी से बदलाव की पेशकश करने में सक्षम होंगे।÷

स्काईवर्थ ग्रुप एंड्रॉइड टीवी के लिए सभी तकनीकी प्रगति और लागत अनुकूलन के साथ वीरा प्रदान करेगा। इस आकार की साझेदारी भारत के संपन्न टीवी बाजार को प्रतिस्पर्धी और अत्याधुनिक तकनीकी समाधान प्रदान करेगी।

हाल ही में वीरा ग्रुप ने अपनी नई मैन्युफैक्क रिंग फैसिलिटी में 200 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

कंपनी के अनुसार, कंपनी की नई विनिर्माण सुविधा में वाशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर जैसे अतिरिक्त सामानों के अलावा 40 लाख टीवी बनाने की क्षमता है।

सरसों, बिनौला को छोड़कर ज्यादातर तेल-तिलहन कीमतों में बीते सप्ताह गिरावट का रुख

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर 2022। देश में सोयाबीन और सूरजमुखी तेल का आयात बढ़ने की उम्मीद के कारण बीते सप्ताह दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में लगभग सभी तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट आई। इस गिरावट का असर बाकी तेल-तिलहन कीमतों पर भी दिखा तथा सोयाबीन एवं मूंगफली तेल-तिलहन और सीपीओ की कीमतों में गिरावट दर्ज हुई। दूसरी ओर जाड़े के साथ-साथ शादी-विवाह की मांग बढ़ने के कारण सरसों तेल-तिलहन और बिनौला तेल कीमतों में सुधार आया।

सूत्रों ने कहा कि पिछले साल के मुकाबले इस वर्ष कपास (नरमा) के भाव कम हैं जिसकी वजह से किसान नीचे भाव पर नरमा बिक्री के लिए कम माल ला रहा है। इस वजह से बिनौला तेल कीमतों में सुधार आया है। सूत्रों ने कहा कि किसान मंडियों में कम सरसों ला रहे हैं और वे रोक-रोक कर बिकवाली कर रहे हैं। इसलिए सरसों तेल-तिलहन कीमतों में सुधार आया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में सोयाबीन और मूंगफली की आवक मंडियों में धीरे-धीरे बढ़ेगी।

इस वजह से सोयाबीन और मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट आई। सूत्रों ने कहा कि कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल के आयात भाव के मुकाबले कांडला बंदरगाह पर इन तेलों का भाव अधिक है। इसकी वजह से मंडियों में इन तेलों की बिक्री कम हो रही है। कम बिक्री की वजह से सीपीओ और पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट आई। सूत्रों ने कहा कि खाद्य तेलों के शुल्क-मुक्त आयात की छूट का कोटा निर्धारित किये जाने से बाकी आयात लगभग रुक गया क्योंकि बाकी आयात के लिए आयातकों को आयात शुल्क का भुगतान करना होगा।

इससे बाजार में कम आपूर्ति की स्थिति बन गई है। उन्होंने कहा कि तेल संगठनों की जिम्मेदारी बनती है कि सरकार के कोटा निर्धारित करने के फैसले के दुष्प्रभावों के संबंध में सरकार को अवगत कराये। सरकार की तरफ से 20-20 लाख टन सूरजमुखी और सोयाबीन तेल के शुल्क-मुक्त आयात की छूट देने के बाद आयातकों द्वारा नये सौदे नहीं खरीदने के कारण बाजार में कम आपूर्ति (शॉर्ट सप्लाई) की स्थिति पैदा हो गई है।

सूत्रों ने कहा कि सरकार को अपने इस फैसले पर पुनर्विचार करते हुए या तो शुल्क-मुक्त आयात की सीमा को हटा देना चाहिये या पहले की तरह सभी आयात पर शुल्क लगा देना चाहिये। इस कदम से कोई आंतरिक प्रतिस्पर्धा नहीं रह जायेगी और आयात बढ़ेगा जिससे प्रतिस्पर्धा के कारण उपभोक्ताओं को भी सस्ते में खाद्य तेल उपलब्ध होगा। सूत्रों ने कहा कि सरकार द्वारा कोटा व्यवस्था खत्म करने और शुल्क लगाने से सरकार को राजस्व की भी प्राप्ति होगी।

सूत्रों के मुताबिक, देश के प्रमुख तेल संगठनों का दायित्व बनता है कि वे सरकार को उसके फैसले के अनपेक्षित परिणामों से अवगत कराते हुए इसपर फिर से गौर करने की सलाह दें। उन्होंने कहा कि विदेशों में सोयाबीन के डीआयल्ड केक (डीओसी) की मांग बढ़ने से बीते सप्ताह सोयाबीन तेल-तिलहन कीमतों में सुधार आया। सूत्रों के मुताबिक, पिछले सप्ताहांत के शुक्रवार के बंद भाव के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 50 रुपये बढ़कर 7,150-7,175 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सरसों दादरी तेल समीक्षाधीन सप्ताहांत में 50 रुपये बढ़कर 14,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी क्रमशः 5-5 रुपये बढ़कर क्रमशः 2,250-2,385 रुपये और 2,325-2,440 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुई। सूत्रों ने कहा कि मंडियों में सोयाबीन की आवक बढ़ने के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज के थोक भाव क्रमशः 15-15रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 5,285-5,335 रुपये और 5,085-5,135 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन तेल कीमतों में भी गिरावट आई। सोयाबीन दिल्ली का थोक भाव 14,200 रुपये पर अपरिवर्तित रहा। सोयाबीन इंदौर का भाव 50 रुपये घटकर 13,950 रुपये और सोयाबीन डीगम का भाव 100 रुपये की गिरावट के साथ 12,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मंडियों में छुट्टियों के मद्देनजर मांग प्रभावित होने और सोमवार से नयी फसल की आवक बढ़ने की उम्मीद से समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहनों कीमतों में गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताहांत में मूंगफली तिलहन का भाव 50 रुपये घटकर 6,820-6,885 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पूर्व सप्ताहांत के बंद भाव के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपये घटकर 15,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ जबकि मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड का भाव 30 रुपये की गिरावट के साथ 2,530-2,790 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव 350 रुपये की गिरावट के साथ 8,750 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। जबकि पामोलीन दिल्ली का भाव 200 रुपये घटकर 10,500 रुपये और पामोलीन कांडला का भाव 300 रुपये घटकर 9,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल 100 रुपये बढ़कर 13,200 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर बंद हुआ।

2021 में 18 फीसदी तक बढ़े केस, ऐसे लोगों में इस जानलेवा बीमारी का जोखिम अधिक,बरतें सावधानी

भारत सरकार, साल 2025 तक देश को टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य पर काम कर रही है, हालांकि इसके विपरीत देश में ट्यूबरक्लोसिस रोगियों की संख्या बढ़ती हुई देखी जा रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले साल 21.4 लाख से अधिक टीबी के मामले दर्ज किए गए जो साल 2020 की तुलना में 18 फीसदी अधिक है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने डब्ल्यूएचओ ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2022 के नवीनतम निष्कर्षों पर प्रकाश डालते हुए यह जानकारी दी है। इस रिपोर्ट में दुनियाभर में टीबी के निदान, उपचार और बीमारी के बोझ पर कोविड-19 महामारी के प्रभावों पर चर्चा की गई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2021 में भारत में प्रति एक लाख लोगों में से 210 को टीबी का शिकार पाया गया है। साल 2015 में भारत में प्रति लाख जनसंख्या पर यह आंकड़ा 256 था।

मंत्रालय की ओर से कहा गया कि कोविड-19 महामारी ने दुनियाभर में टीबी कार्यक्रमों को प्रभावित किया, बावजूद इसके भारत ने 2020 और 2021 में इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं। हम आगे भी अपने प्रयासों के माध्यम से देश को टीबी मुक्त बनाने की कोशिश में लगे हुए हैं। साल 2021 के टीबी के आंकड़ों ने चिंता बढ़ा दी है। आइए इस गंभीर रोग के कारण और जोखिम कारकों के साथ इससे बचाव के प्रभावी तरीकों के बारे में आगे विस्तार से जानते हैं।

टीबी की बीमारी के बारे में जानिए

क्षय रोग (टीबी) एक गंभीर संक्रामक रोग है जो मुख्यरूप से फेफड़ों को प्रभावित करता है। टीबी का कारण बनने वाले बैक्टीरिया एक व्यक्ति से दूसरे में खांसी और छींक के माध्यम से फैल सकते हैं। हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली स्वयं टीबी के बैक्टीरिया को रोक कर हमें सुरक्षित रखने में मदद करती है हालांकि जिन लोगों को प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होती है उनमें इस संक्रमण का खतरा अधिक हो सकता है। टीबी के कारण खांसी आते रहना सबसे सामान्य लक्षण है, समय पर इसका इलाज आवश्यक होता है। टीबी की गंभीर स्थिति जानलेवा भी हो सकती है। साल 2021 में टीबी के कारण देश में 16 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई है।

ऐसे लक्षणों को लेकर बरतें सावधानी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, समय पर टीबी के लक्षणों की पहचान और इसका उपचार किया जाना आवश्यक होता है। तीन सप्ताह या उससे अधिक समय तक रहने वाली खांसी की स्थिति में टीबी की जांच जरूर करानी चाहिए। खांसी के साथ खून आना या बलगम वाली खांसी, सीने में दर्द, सांस लेने या खांसने के साथ दर्द, तेजी से वजन कम होना, थकान-बुखार, रात को अधिक पसीना आना, भूख में कमी जैसे लक्षण टीबी के संकेत हो सकते हैं। इसपर समय रहते गंभीरता से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता होती है।

कई अंगों पर हो सकता है टीबी का असर

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, फेफड़ों के अलावा टीबी की बीमारी शरीर के अन्य कई अंगों को भी प्रभावित कर सकती है, जिसमें किडनी, रीढ़ और मस्तिष्क के हिस्से भी शामिल हैं। जब टीबी आपके फेफड़ों के बाहर होती है, तो इसमें शामिल अंगों के अनुसार लक्षण अलग हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, रीढ़ में टीबी की समस्या के कारण पीठ दर्द और किडनी में इस समस्या के कारण मूत्र से खून आने जैसी दिक्कत हो सकती है। इन गंभीर स्थितियों को जानलेवा भी माना जाता है।

टीबी संक्रमण का इलाज और बचाव

यदि आपमें टीबी के संक्रमण का पता चलता है तो डॉक्टर इसे ठीक करने और इसके विकास के जोखिम को कम करने के लिए दवाएं देते हैं। दवाओं के साथ टीबी के उपचार में कुछ सप्ताह लगते हैं, इसमें आपको दवाओं का कोर्स पूरा करने की सलाह दी जाती है। कुछ सरल सावधानियां बरतकर संक्रमण के जोखिम को कम किया जा सकता है, इसके लिए कमरे का अच्छा वेंटिलेशन जरूरी है। सूर्य की रोशनी में कुछ समय बिताएं, यूवी रेज टीबी बैक्टीरिया को मारता है। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को ढकने से टीबी के बैक्टीरिया के प्रसार को कम किया जा सकता है।

मीठे में कुछ नया खाना है तो ट्राई करें ये पांच यूनिक चॉकलेट रेसिपी

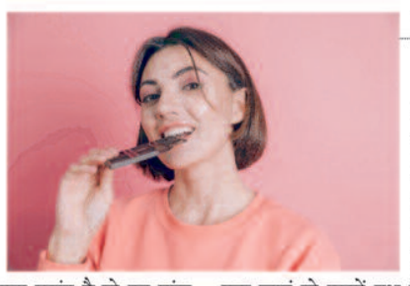

जब भी बात चॉकलेट की आती है तो लोगों के मन में चॉकलेट केक, चॉकलेट मूस, चॉकलेट केक जैसे डेजर्ट्स का ही ख्याल आता है लेकिन इससे कई तरह की यूनिक व्यंजन भी बनाए जा सकते हैं। अगर आपके घर में बच्चों से लेकर बड़ो तक को चॉकलेट से बने तरह-तरह के व्यंजन खाना पसंद है तो इन पांच यूनिक रेसिपी को जरूर ट्राई करें। इन व्यंजनों को घर पर बनाना कुछ ही मिनटों का काम है।

चॉकलेट पॉपकॉर्न

सबसे पहले एक पैन में लगभग चार बड़ी चम्मच मक्खन और आधा कप कॉर्न डालें। अब इसे ढक्कन को ढक दें और इन्हें फूटने दें। एक बार जब सारे कॉर्न पॉप हो जाएं तो इसमें लगभग तीन चौथाई कप कद्दूकस की हुई मिल्क चॉकलेट डालें। जब चॉकलेट अच्छे से पॉपकॉर्न में मिल जाएं तो इसे ढक दें। इसके बाद गरमागरम टॉकलेट पॉपकॉर्न को परोसें।

चॉकलेट समोसा

सबसे पहले एक बर्तन में मैदा, घी, बड़ी इलाइची के दाने और पानी को मिलाकर आटा गूंथ लें। इसके बाद चॉकलेट पिघलाएं और उसमें अपने पसंदीदा नट्स भूनकर मिलाएं। फिर आटे को छोटी-छोटी लोइयों में बांट लें और बेलन से प्रत्येक को चपटा कर लें। अब इन्हें काटकर कोन शेप देकर इनमें चॉकलेट मिश्रण भरें और इनके किनारों बंद कर दें। फिर इन्हें डीप फ्राई करने के बाद परोसें।

चॉकलेट रिसोट्टो

सबसे पहले एक पैन में थोड़ा मक्खन गरम करें, फिर उसमें रिसोट्टो राइस डालें और दो मिनट तक भूनें। इसके बाद इसमें थोड़ा पानी डालकर इसे पकाएं। फिर इसमें थोड़ा वनिला एसेंस डालें और जब चावल पक जाएं तो इसमें दूध मिलाएं। अब इसमें थोड़ी चीनी और डार्क चॉकलेट मिलाएं। अंत में इसमें क्रीम और संतरे का छिलका मिलाकर इसे एक मिनट तक पकाएं। फिर इसे गरमागरम परोसें।

चॉकलेट पुडिंग

इसके लिए पहले एक कटोरे में चीनी, कोकोआ पाउडर, कॉर्नस्टार्च और एक चुटकी नमक को डालकर मिलाएं, फिर मिश्रण में दूध डालकर फेंटें। अब इस मिश्रण को गरम करें और मध्यम आंच पर धीरे-धीरे हिलाते हुए उबालें और दो मिनट तक मिश्रण को गाढ़ा होने तक पकाएं। इसके बाद गैस बंद करके मिश्रण में वनिला एसेंस और मक्खन मिलाएं, फिर इस मिश्रण को छह घंटे के लिए फ्रिज में रखने के बाद खाएं।

चॉकलेट फ्राइज

सबसे पहले फ्रोजन फ्रेंच फ्राइज को सुनहरा होने तक डीप फ्राई करें। अब एक पैन में थोड़ा शहद गरम करें और इसमें फ्राइज को डालकर अच्छे से टॉस करें। आप चाहें तो इसमें अपने पसंदीदा सूखे मेवे भी डाल सकते हैं। इसके बाद इसे एक कटोरे में निकाल लें और फ्राइज पर थोड़ा सा चॉकलेट सॉस डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। अब इन यूनिक फ्राइज का सेवन करें।

सर्दियों में बना रहे घूमने की योजना तो रखें इन बातों का ध्यान

सर्दियों के मौसम में ज्यादातर लोग घूमने की योजना बनाते हैं। नवंबर से ही हिल स्टेशन से लेकर टूरिस्ट वाली जगहों पर पर्यटक पहुंचने लगते हैं। सर्दियों का मौसम जहां घूमने के लिए मुफीद होता है। तो वहीं पहाडों पर गिरने वाली बर्फ सैलानियों को अपनी तरफ आकर्षित करती हैं। वहीं विंटर वेकेशन और त्योहारों की वजह से बच्चों से लेकर बड़ों तक को छुट्टियां आसानी से मिल जाती हैं। अगर आप भी इन सर्दियों के मौसम में घूमने की योजना बना रहे हैं। तो कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। खासतौर पर पैकिंग के वक्त क्या लेकर जाएं, जिससे कि किसी मुश्किल का सामना ना करना पड़े। तो चलिए जानें कौन सी चीजों को अपने साथ लेकर जाएं।

मेडिकल किट है जरूरी

ट्रैवेलिंग के वक्त अपने साथ मेडिकल किट रखना बेहद जरूरी होता है। जिससे कि तबीयत खराब होने या चोट लगने पर प्राथमिक उपचार आपके पास वक्त रहते मौजूद हो। सर्दियों के मौसम में अगर आप घूमने जा रहे हैं तो कफ सीरप, एंटीबायोटिक्स और फ्लू की दवा अपने साथ जरूर रखें। साथ ही महिलाओं को सैनिटरी नैपकिन या टैंपून भी साथ रखना चाहिए।

स्कार्फ और टोपियां

सर्दियों में कभी भी सर्द हवाएं आपको परेशान कर सकती हैं। इसलिए जब भी यात्रा के लिए निकलें तो स्कार्फ और गर्म टोपियां साथ रखें। कान को ढंकने से आप ठंड लगने से भी बचे रहेंगे और घूमने का पूरा मजा ले सकेंगे।

सनग्लासेज

अगर आप ऊंचे पहाड़ी इलाकों पर घूमने और ट्रैकिंग जैसी योजना कर घर से निकले हैं। तो साथ में सनग्लासेज भी रखें। ये सुनने में अजीब लग सकता है। लेकिन ऊंचे पहाड़ी इलाकों पर अल्ट्रा वॉयलेट किरणें आंखों पर बुरा प्रभाव डाल सकती हैं। इसलिए धूप के चश्मे अपने साथ रखें।

जूते

सर्दियों में सैर के लिए निकलें तो अच्छी क्वालिटी के जूतों पर जरूर पैसे खर्च करें। जो आपके पैरों को आराम दे, गर्म रखे और जमीन पर पकड़ अच्छी रखता हो। जिससे कि पहाड़ी और बर्फीले इलाकों में फिसलन होने पर आप किसी दुर्घटना का शिकार ना हों।

सर्दियों की सैर पर निकलें हैं तो कई सारे बैग पैक करने की बजाय ऐसे बैग को लें, जिसमे ढेर सारे पॉकेट्स बने हैं। जिससे कि आप अपने ज्यादातर सामान को एक साथ एक ही बैग में रख

बालों से हेयरस्प्रे हटाने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके

हेयरस्प्रे का इस्तेमाल बालों की स्टाइलिंग के दौरान किया जाता है ताकि यह बिगड़े नहीं। लेकिन बाद में अपने बालों से हेयरस्प्रे हटाना ना भूलें क्योंकि यह स्कैल्प के रोमछिद्रों में घुसकर खुजली और बालों के झड़ने जैसी कई समस्याओं का कारण बनता है। इसलिए हेयरस्प्रे को बालों से हटाना महत्वपूर्ण है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं जिन्हें अपनाने से आपके लिए यह काम आसान हो सकता है।

डिश सोप का करें इस्तेमाल

अगर आपने कभी ध्यान दिया हो तो आपको यह जरूर पता होगा कि हेयरस्प्रे लगाने के बाद आपस में काफी उलझ जाते हैं और ऐसा हेयरस्प्रे के बिल्डअप से होता है। इसे हटाने के लिए आप डिश सोप का इस्तेमाल कर सकते हैं क्योंकि यह आसानी से हेयरस्प्रे बिल्डअप को हटा सकते हैं। माइल्ड डिश सोप को अपने बालों पर लगाकर कंघी से फैलाएं। इसे 15 मिनट तक लगा रहने दें और फिर बालों को धो लें।

बेकिंग सोडा आएगा काम

अकेले आपका नियमित शैंपू हेयरस्प्रे बिल्डअप को नहीं हटा सकता है इसलिए इसमें एक बड़ी चम्मच बेकिंग सोडा डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब इस मिश्रण को अपने बालों पर लगाकर अच्छे से फैलाएं और इसे धोने से पहले थोड़ी देर के लिए छोड़ दें। आप बेकिंग सोडा को सीधे गीले बालों और स्कैल्प पर भी लगा सकते हैं। फिर इसे शैंपू से धो भी सकते हैं।

क्लैरिफाइंग शैंपू है प्रभावी

अगर आपको हर दिन हेयरस्प्रे का इस्तेमाल करना पड़ता है तो इसके बिल्डअप को हटाने के लिए एक क्लैरिफाइंग शैंपू सबसे अच्छा है। क्लैरिफाइंग शैंपू में उच्च मात्रा में एसएलएस (डिटर्जेंट) होता है जो आपके स्कैल्प से किसी भी तरह के बिल्डअप और गंदगी को आसानी से हटा सकता है। हालांकि इसे हर दिन इस्तेमाल करने से बचें।

सेब का सिरका भी है कारगर

अगर सीमित मात्रा में सेब के सिरके का इस्तेमाल किया जाए तो यह न सिर्फ बालों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद कर सकता है बल्कि किसी भी उत्पाद के बिल्डअप को आसानी से हटाने में भी कारगर साबित हो सकता है। लाभ के लिए एक कप पानी में एक बड़ी चम्मच सेब का सिरका मिलाएं। फिर इससे अपने बालों को गीला करें और थोड़ी देर बाद सिर को सामान्य शैंपू से साफ कर लें।

सऊदी,यूएई ने तेल उत्पादन में कटौती की क्योंकि अमेरिका ने 'अनिश्चितता' की चेतावनी दी

अबू धाबी, 31 अक्टूबर 2022। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने सोमवार को ओपेक और उसके सहयोगियों द्वारा तेल उत्पादन में कटौती के फैसले का बचाव किया, यहां तक कि एक अमेरिकी दूत ने दुनिया के लिए ÷आर्थिक अनिश्चितता÷ की चेतावनी दी।

सौहार्दपूर्ण रहते हुए, अबू धाबी अंतर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम प्रदर्शनी और सम्मेलन में टिप्पणियों ने संयुक्त राज्य अमेरिका और खाड़ी अरब देशों के बीच व्यापक विभाजन को दिखाया, जो व्यापक मध्य पूर्व में सैन्य रूप से समर्थन करता है। पहले से ही, अमेरिकी राजनेताओं ने राज्य के साथ हथियारों के सौदे की धमकी दी है और इसे यूक्रेन पर अपने युद्ध के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ पक्ष के रूप में वर्णित किया है।

सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री, प्रिंस अब्दुलअज़ीज़ बिन सलमान ने इस कार्यक्रम में संक्षिप्त टिप्पणी में संकेत दिया। राजकुमार ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कहा, ÷हम इसे किसी और के लिए नहीं देते हैं,÷ यह देखते हुए कि आगामी संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन मिस्र और संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया जाएगा। ÷यह हमारे लिए, हमारे द्वारा, हमारे भविष्य के लिए किया गया था, और हमें इसके लिए खुद को प्रतिबद्ध करने की आवश्यकता है।÷

अमीराती ऊर्जा मंत्री सुहैल अल-मजरूई ने उस रक्षा को प्रतिध्वनित किया। यह कहते हुए कि ओपेक और उसके सहयोगी उत्पादन बढ़ाने के लिए ÷केवल एक फोन कॉल दूर हैं यदि आवश्यकताएं हैं÷, उन्होंने कोई सुझाव नहीं दिया कि इस तरह का बढ़ावा जल्द ही कभी भी होगा। अल-मजरूई ने कहा, ÷मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि हम संयुक्त अरब अमीरात में और साथ ही ओपेक+ में हमारे साथी सहयोगी दुनिया को उसकी जरूरत की आपूर्ति करने के इच्छुक हैं।÷ ÷लेकिन साथ ही, हम दुनिया के एकमात्र निर्माता नहीं हैं।÷

ओपेक और रूस के नेतृत्व में अन्य देशों के एक ढीले संघ ने अक्टूबर की शुरुआत में नवंबर में शुरू होने वाले दिन में 2 मिलियन बैरल तेल के उत्पादन में कटौती करने पर सहमति व्यक्त की। सऊदी अरब के नेतृत्व में ओपेक ने जोर देकर कहा है कि उसका निर्णय वैश्विक अर्थव्यवस्था के बारे में चिंताओं से आया है। यू.एस. और यूरोप के विश्लेषकों ने पश्चिम में मुद्रास्फीति और बाद में ब्याज दरों में बढ़ोतरी के साथ-साथ यूक्रेन पर रूस के युद्ध से खाद्य और तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से मंदी की चेतावनी दी है।

सरकारी अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी के प्रबंध निदेशक सुल्तान अहमद अल जाबेर ने जोर देकर कहा, ÷वैश्विक अर्थव्यवस्था चाकू की कगार पर है।÷

इस बीच, अमेरिकी राजनेताओं ने पेट्रोल की कीमतों को ऊंचा रखने के फैसले पर गुस्से में प्रतिक्रिया व्यक्त की है। अमेरिका में नियमित गैसोलीन के औसत गैलन की कीमत अब 3.76 डॉलर है - जो जून में रिकॉर्ड 5 डॉलर प्रति गैलन से कम है, लेकिन फिर भी उपभोक्ताओं के पर्स में काटने के लिए पर्याप्त है। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड ऑयल सोमवार को 95 डॉलर प्रति बैरल पर था।

÷मुझे लगता है कि दिन के अंत में, हम विश्व स्तर पर एक आर्थिक अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं,÷ ऊर्जा मामलों के लिए अमेरिकी दूत अमोस होचस्टीन ने कहा। ÷ऊर्जा की कीमतों की कीमत इस तरह से तय की जानी चाहिए जो आर्थिक विकास की अनुमति देता है। और अगर वे नहीं हैं ... वे बहुत अधिक बढ़ेंगे और आर्थिक मंदी को तेज करेंगे, जो अंततः एक ऐसी चीज है जो ऊर्जा की मांग के लिए भयानक होगी। ÷ होचस्टीन ने अबू धाबी कार्यक्रम में मंच पर उपस्थित होने के बाद एसोसिएटेड प्रेस से बात करने से इनकार कर दिया।

राष्ट्रपति जो बिडेन, जिन्होंने जुलाई में सऊदी अरब की यात्रा की थी और एक बैठक से पहले क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान पर मुक्का मारा था, ने हाल ही में राज्य को चेतावनी दी थी कि ÷उन्होंने जो किया है उसके कुछ परिणाम होने जा रहे हैं।÷ सऊदी अरब ने सार्वजनिक रूप से दावा किया कि बिडेन प्रशासन ने ओपेक कटौती में एक महीने की देरी की मांग की, जो 8 नवंबर को अमेरिकी मध्यावधि चुनाव से पहले गैस की कीमतों में स्पाइक के जोखिम को कम करने में मदद कर सके।

रूस ने पूरे यूक्रेन में बड़े पैमाने पर मिसाइल हमले किए

कीव, 31 अक्टूबर 2022। रूस ने सोमवार को राजधानी कीव सहित पूरे यूक्रेन में बड़े पैमाने पर मिसाइल हमले किए, जिससे युद्धग्रस्त देश के अधिकारियों के अनुसार बिजली और पानी की आपूर्ति बाधित हो गई।बीबीसी ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि कीव में कम से कम दो विस्फोट हुए, जबकि मध्य विन्नित्सिया क्षेत्र के साथ-साथ दक्षिण-पूर्व में निप्रॉपेट्रोव्स्क और ज़ापोरिज्जिया और पश्चिम में लविवि में भी हमले हुए। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि उत्तर-पूर्वी शहर खार्किव में महत्वपूर्ण बुनियादी सुविधाएं प्रभावित हुई हैं।रूस द्वारा क्रीमिया में अपने काला सागर बेड़े पर ड्रोन हमले के लिए रूस द्वारा यूक्रेन को दोषी ठहराए जाने के बाद यह हमले हुए हैं।यूक्रेन की वायु सेना के प्रवक्ता यूरी इहनत ने स्थानीय मीडिया को बताया कि रूस ने हमले को अंजाम देने के लिए अपने रणनीतिक हमलावरों का इस्तेमाल किया था।

आतंकी हमले से दहला सोमालिया

मंत्रालय के सामने 2 कारों में ब्लास्ट,100 लोगों की मौत

मोगादिशु ,31 अक्टूबर 2022। सोमालिया की राजधानी मोगादिशू में दो कार बम विस्फोट हुए जिसमें कम से कम 100 लोगों की मौत हो गई है। घटना शिक्षा मंत्रालय के बाहर की है। सोमालिया के राष्ट्रपति हसन शेख ने एक बयान में घटना की पुष्टि करते हुए 300 लोगों के घायल होने की बात की है। घायलों में कई की हालत गंभीर बनी हुई है।

दो कार बम विस्फोटों ने सोमालिया के शिक्षा मंत्रालय की इमारत को निशाना बनाया। रॉयटर्स ने एक स्थानीय नागरिक के हवाले से कहा, 'दो कार बमों ने च5 स्ट्रीट के किनारे शिक्षा मंत्रालय की इमारत को निशाना बनाया।' मंत्रालय की रखवाली करने वाले एक पुलिस अधिकारी, जिसने अपना नाम हसन बताया, ने बताया कि उसने विस्फोट के तुरंत बाद कम से कम 12 शव देखे और 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल पड़े थे।

बम विस्फोट के दृश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गए हैं और विस्फोट के बाद मोगादिशु शहर के ऊपर बादल उठते दिख रहे हैं। अन्य वीडियो में धमाके वाली जगह के आस-पास और दूर-दराज के घरों के शीशे टूटे हुए दिखाई दे रहे हैं। आतंकवादी संगठन अल-शबाब के इस बम धमाके के पीछे होने की सूचना है, जो सोमालियाई सरकार के खिलाफ हिंसक, सशस्त्र लड़ाई लड़ रहा है। सोमाली सुरक्षाबलों का कहना है कि उन्होंने हाल के हफ्तों में स्थानीय आत्मरक्षा समूहों के साथ लड़ते हुए अल-शबाब के खिलाफ युद्ध के मैदान में बढ़त हासिल की है, लेकिन इस आतंकी समूह ने घातक हमले करना जारी रखा है।

पुलिस प्रवक्ता सादिक दूदीश ने कहा, 'दोपहर दो बजे अल-शबाब के आतंकवादियों ने बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों सहित नागरिकों को निशाना बनाते हुए दो विस्फोट किए।' इससे पहले किस्मायू में सोमवार को 9 लोग आतंकियों के शिकार बने थे। सुरक्षाबलों ने उन्हें मार गिराया था। बंदरगाह शहर के तवाकल होटल के गेट में विस्फोटकों से लदे एक वाहन के टकराने के बाद गोलियां चलीं। जुबलैंड के सुरक्षा मंत्री युसुफ हुसैन धूमल ने रॉयटर्स को बताया, 'विस्फोट में छात्रों और नागरिकों सहित नौ लोग मारे गए और 47 अन्य घायल हो गए, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है।'

इमरान खान अपनी विरोध रैली में वाहन से मारे गए पत्रकार के घर गए

रिपोर्टर सदफ नईम की मृत्यु के कारण हुए भयानक हादसे से स्तब्ध हूं:इमरान

इस्लामाबाद, 31 अक्टूबर 2022। इमरान खान सोमवार को एक पत्रकार के घर गए, जिसे उनकी रैली के दौरान कथित तौर पर कुचलकर मार दिया गया था, उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए। चैनल 5 के लिए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के लंबे मार्च को कवर करने वाले पत्रकार सदफ नईम की रविवार को साधोक के पास एक दुर्घटना में मौत हो गई।

चैनल 5 के मुताबिक रिपोर्टर को पीटीआई के चेयरमैन खान के कंटेनर ने कुचल दिया। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार मीडिया आउटलेट ने कहा कि नईम कंटेनर से गिर गई जिसके बाद उसे वाहन ने कुचल दिया।

आज हमारे मार्च के दौरान चैनल 5 के रिपोर्टर सदफ नईम की मृत्यु के कारण हुए भयानक हादसे से स्तब्ध और गहरा दुख हुआ। अपना दुख व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। इस दुखद समय में मेरी प्रार्थना और संवेदना परिवार के साथ है। हमने अपना मार्च आज के लिए रद्द कर दिया है। हालांकि, साइट पर डॉन डॉट कॉम के एक संवाददाता ने बताया कि कंटेनर पर चढ़ने की कोशिश करते समय वह फिसल गई।

घटना के परिणामस्वरूप, पीटीआई ने एकजुटता में रविवार की गतिविधियों को बंद कर दिया।

उन्होंने कहा, %मैं अत्यंत खेद के साथ यह कह रहा हूं कि एक दुर्घटना के कारण हम आज मार्च स्थगित कर रहे हैं। हम त्रासदी से निपटने के लिए महिला के परिवार के धैर्य और शक्ति के लिए प्रार्थना करते हैं,इमरान खान ने समर्थकों को एक संक्षिप्त संबोधन में कहा।

घरेलू हिंसा से बचे लोगों को बेहतर समर्थन देने के लिए ऑस्ट्रेलिया राज्य ने कोर्टहाउस को अपग्रेड किया

सिडनी, 31 अक्टूबर 2022। ऑस्ट्रेलिया का न्यू साउथ वेल्स राज्य (एनएसडब्ल्यू) घरेलू और यौन हिंसा पीड़ितों को बिना किसी डर के गवाही देने के लिए सशक्त बनाने में मदद करने के लिए अधिक सुरक्षित स्थानों के लिए कोर्टहाउस स्थापित या अपग्रेड कर रहा है।

एनएसडब्ल्यू सरकार ने सोमवार को कहा कि अतिरिक्त सुरक्षित कमरे जहां पीड़ित निजी तौर पर अदालत के लिए तैयारी कर सकते हैं, और दूरस्थ गवाह कक्ष जहां वे ऑडियो विजुअल लिंक (एवीएल) के माध्यम से साक्ष्य प्रदान कर सकते हैं, को राज्य भर के 45 न्यायालयों में वितरित किया गया है, जिसका उद्देश्य बचे लोगों को राहत देना है। % आघात और निष्पक्ष परीक्षण सुनिश्चित करना, समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट।

एनएसडब्ल्यू अटॉर्नी जनरल मार्क स्पीकमैन ने कहा, ÷राज्य सरकार के घरेलू हिंसा सुधारों के तहत, घरेलू हिंसा आपराधिक कार्यवाही और संबंधित घरेलू हिंसा आदेश कार्यवाही में शिकायतकर्ताओं को ऑडियो विजुअल के माध्यम से और एक बंद अदालत में सबूत देने का प्रथम दृष्टया अधिकार है।÷

÷ये नई और उन्नत सुविधाएं कमजोर गवाहों को निजी, सुरक्षित क्षेत्र देती हैं जिन्हें उन्हें अदालत के लिए तैयार करने और सबूत प्रदान करने की आवश्यकता होती है।÷

हस्ङ्क ब्यूरो ऑफ क्राइम स्टैटिस्टिक्स एंड रिसर्च द्वारा जून में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस द्वारा दर्ज की गई घरेलू हिंसा से संबंधित पीछा/डराने की घटनाओं में 2012 से 2021 तक 110 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

एनएसडब्ल्यू महिला सुरक्षा और घरेलू और यौन हिंसा की रोकथाम मंत्री नताली वार्ड ने कहा कि खुली अदालत में एक कथित दुर्व्यवहारकर्ता या उनके परिवार के सदस्यों का सामना करने की संभावना फिर से आघात कर सकती है और अदालत में गवाही देने के तनाव को बढ़ा सकती है।

÷ये नए सुरक्षित कमरे और दूरस्थ गवाह सुविधाएं उन साहसी पीड़ितों के लिए समर्थन बढ़ाती हैं जो दुर्व्यवहार की रिपोर्ट करने के लिए आगे आते हैं।÷

85 साल बाद कनाडा के ग्लेशियर में मिला यूएस एक्सप्लोरर का कैमरा

ग्लेशियर में मिला यूएस एक्सप्लोरर का कैमरा

मॉन्ट्रियल, 31 अक्टूबर 2022। कनाडा के अधिकारियों ने कहा कि एक प्रसिद्ध अमेरिकी खोजकर्ता ब्रैडफोर्ड वॉशबर्न के कैमरे और उपकरण 1937 में युकोन ग्लेशियर की बर्फ में छोड़े जाने के बाद मिले हैं।

पर्वतारोही वॉशबर्न मैसाचुसेट्स में बोस्टन साइंस म्यूजियम के एक फोटोग्राफर, कार्टोग्राफर और निदेशक भी थे, जिसकी उन्होंने स्थापना की थी।

पिछले वसंत में, तीन एथलीट ÷किसी अन्य की तरह एक मिशन पर चले गए- इतिहास का एक अविश्वसनीय टुकड़ा खोजने के लिए,÷ पार्क कनाडा ने इस सप्ताह एक फेसबुक पोस्ट में कहा।

चरम खेल वीडियो निर्माताओं द्वारा एक साथ रखी गई टीम टेटन ग्रेविटी रिसर्च ने कैमरों और अन्य उपकरणों के लंबे समय से खोए हुए कैश को खोजने के मिशन के साथ, युकोन क्षेत्र में क्लुआन पार्क की यात्रा की।

1937 में वापस, वॉशबर्न तीन अन्य पर्वतारोहियों के साथ माउंट लुकानिया की चढ़ाई का प्रयास करने के लिए एक अभियान पर था, जो 5,226 मीटर (17,145 फीट) कनाडा की तीसरी सबसे ऊंची चोटी है। उस समय यह उत्तरी अमेरिका की अब तक की सबसे ऊँची चोटी थी।

'तोड़फोड़' के बाद सूडानी रिफाइनरी ने पूर्ण परिचालन शुरू किया

आदिवासी संघर्षों में तेज वृद्धि देखी है, जिसमें हाल के महीनों में सैकड़ों लोग मारे गए हैं।

सूडान , 31 अक्टूबर 2022। सूडान की राजधानी खार्तूम में एक तेल रिफाइनरी ने अपनी एक पाइपलाइन में ÷तोड़फोड़÷ के कारण कुछ समय के लिए रुकने के बाद परिचालन फिर से शुरू कर दिया, राज्य द्वारा संचालित मीडिया ने सोमवार को कहा।

स्ह्न समाचार एजेंसी के अनुसार, पाइपलाइन को ÷कच्चे मालवाहक लाइन की तोड़फोड़ के कारण सीमित अवधि के लिए रुकने के लिए मजबूर किया गया था।÷ रिपोर्ट में यह विस्तार से नहीं बताया गया है कि कथित तोड़फोड़ कब हुई या इसमें क्या शामिल था। इसने कहा कि सभी पाइपलाइन अब काम कर रही हैं।

रिपोर्ट सूडान के शासक जनरलों के रूप में आती है और लोकतंत्र समर्थक आंदोलन के मुख्य गुट राजनीतिक समाधान खोजने की दिशा में बातचीत जारी रखते हैं।

सूडान के नाजुक लोकतांत्रिक संक्रमण को पिछले अक्टूबर में एक सैन्य तख्तापलट द्वारा बढ़ा दिया गया था जब जनरल अब्देल-फतह बुरहान के नेतृत्व में सत्तारूढ़ जनरलों ने उमर अल-बशीर के तहत दमनकारी इस्लामी शासन के तीन दशकों के बाद देश की सत्ता-साझा सरकार के नागरिक आधे को मिटा दिया था।

नतीजे में लोकतंत्र समर्थक मार्च देखे गए हैं जिन्हें सूडानी सुरक्षा बलों ने बेरहमी से दबा दिया है। सैन्य अधिग्रहण के बाद से, सूडान ने देश की उपेक्षित परिधियों में घातक आदिवासी संघर्षों में तेज वृद्धि देखी है, जिसमें हाल के महीनों में सैकड़ों लोग मारे गए हैं।

सऊदी अरब में बना पहला 9 मीटर ऊंचा 3डी प्रिंटेड विला

रियाद, 31 अक्टूबर 2022। सऊदी अरब की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनी डार अल अरकान ने शम्स अल रियाद आवासीय विकास में राज्य में पहला 3ष्ठ निर्माण मुद्रित (3ष्ठष्टक्ष) दो मंजिला, 9.9 मीटर ऊंचा विला लॉन्च किया है।गर्मियों के दौरान किसी भी एसी उपकरण के बिना, विला सीधे साइट पर बनाया गया था।3ष्ठष्टक्ष तकनीक का उपयोग इस क्षेत्र में अपनी तरह का पहला है क्योंकि यह निर्माण सामग्री के अपव्यय को कम करते हुए, सुरक्षा में वृद्धि और त्रुटियों को कम करते हुए निर्माण की गति को तेज करता है।

निर्माण ने सख्त प्रोटोकॉल का पालन किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विला सऊदी अरब के बिल्डिंग कोड के अनुसार हर पहलू में सुरक्षित रूप से बनाया जा रहा है। अरब ने इस तकनीक का उपयोग सऊदी विज़न 2030 के लक्ष्यों को पूरा करने और आर्थिक विविधीकरण और डिजिटलीकरण का समर्थन करने के लिए किया है।

पारंपरिक घर-निर्माण विधियों के विपरीत, 3ष्ठष्टक्ष निर्माण समय में आधे से अधिक की कटौती करता है और अधिक लचीला होता है और इसके लिए कम जनशक्ति की आवश्यकता होती है क्योंकि घर बनाने के लिए केवल तीन श्रमिकों की आवश्यकता होती है।इसके अतिरिक्त, भविष्य के कम कार्बन निर्माण उद्योग के लिए प्रौद्योगिकी को अधिक टिकाऊ और व्यवहार्य समाधान बनाने वाली इमारत को पूरा करने के लिए कम कंक्रीट की आवश्यकता होती है।

परियोजना प्रबंधक वाल अल होगन ने कहा- ÷हमारी कंपनी एक दूसरे विला का निर्माण कर रही है, जिसे पूरा होने में आम तौर पर एक महीने का समय लगता है, लेकिन हमने पहले ही केवल आठ दिनों में पहली मंजिल पूरी कर ली है। इन 3 डी-मुद्रित विला में अतिरिक्त इन्सुलेशन परतें और विशेषताएं हैं जो कि ऊर्जा की खपत में 30 प्रतिशत तक की बचत करते हुए, ऊर्जा संरक्षण सुनिश्चित करें।

÷इस तकनीकी क्रांति के साथ, ग्राहक निकट भविष्य में अपने विला खरीदते समय विभिन्न प्रकार के डिजिटल डिज़ाइनों में से चुनने में सक्षम होंगे और केवल एक बटन के एक क्लिक के साथ आप अपने घर को प्रिंट करने में सक्षम होंगे।

उगहे सूरज देव भेल भिनसरवा अरघ के रे बेरवा हो पूजन के रे बेरवा हो...

» लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा का आज समापन हुआ,व्रती महिलाओं पुरूषों ने तोड़ा व्रत।

» छठ महापर्व व्रत सिर्फ पुत्र कामना के उद्देश्य मात्र से नहीं,बेटियों की भी मन्नत करते हैं व्रती।

» अस्तानचलगामी व उदीयमान सूर्य देवता की होती है पूजा,छठ पूजा में श्रद्धालुओं की है बड़ी आस्था।

» छठ घाटों पर उमा जन सैलाब,सूर्य देवता को प्रणाम करने एक साथ उठे करोड़ों हांथ।

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर/पटना 31 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचक जाए, होहिएँ बलम जी सहईया, बहंगी लचकत जाए। छठ पूजा गीतों से गुंजा पूरा क्षेत्र,सूर्य उपासना का महापर्व छठ चार दिवसीय कठिन विधि विधान के पालन पश्चात आज उदीयमान सूर्य देव को अर्ध्य अर्पित कर सम्पन्न किया गया। चार दिवसीय छठ पूजा के लिए क्षेत्र में कई जगह सार्वजनिक नदी तालाबों में लोगों ने एक साथ सूर्य देव के अस्तांचलगामी व उदीयमान रूप को अर्ध्य अर्पित कर सुख समृद्धि व बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। कोरिया जिले में भी छठ पर्व बड़े उत्साह से मनाया गया, कटकोना, पटना, पाण्डवपारा, क्षेत्र में छठ व्रती महिला पुरुषों ने सोमवार को भोर के ठंडे पानी में खड़े होकर सूर्य देव की अराधना की और उदीमान सुर्य देव को जल व दुध से अर्घ्य देकर छठ घाट में प्रसाद वितरण के बाद अपना 36 घंटे को निर्जला उपवास समाप्त किया। घाट से घर जाने के बाद व्रतियों ने नियमानुसार पारन कर अपना उपवास समाप्त किया इसी के साथ यह महापर्व भी समाप्त हुआ।

छठ पूजा को लेकर घाटों की चहल पहल भी समाप्त हो गई। कटकोना के एसईसीएल, गोबरी जलाशय, पटना झुमरपारा तलाब में बने घाट पर व्रतधारी महिला व श्रद्धालुओ की बडी संख्या में भीड इकट्ठा हुई, व्रती महिलाओं सहित पुरुषों ने रविवार को डुबते हुए सुर्य देव को व सोमवार को उगते हुए सुर्यदेव को ठंडे पानी में खडे होकर सुर्योपासना करते हुए व पुत्र, पुत्री की दीर्घायु साथ ही बेहतर स्वास्थ्य की कामना,परिवार की मंगल कामना करते हुए हाथ में फलो से सजा सुप व दौरा लेकर सुर्यदेव को जल व दूध से अर्ध्य दिया।

रूनकी-झुनुकी बेटियों के लिए करती है मां अर्घ्यदान

नारी सक्तिकरण का संदेश देता है लोक आस्था का माहपर्व छठ बेटा-बेटियों में कोई अंतर नहीं मानती है मातायें। लोक आस्था का महापर्व छठ सिर्फ पुत्र कामना के लिये ही नहीं बल्कि बेटियों के लिये भी किया जाता है। छठ के गीत में व्रती रूनकी-झुनुकी बेटियां, पंड़ा-पंडित्वा, दामाद हे छठि मईया के गीत गाते भगवान सूर्य से पुत्री की कामना करती है। छठ एक ऐसा व्रत है जहां सारे मिथक टूटते है पुरुष प्रधान समाज में जहां बेटे का कद ऊंचा माना गया है, वहां छठ व्रत इन मिथकों को तोड़ नारी सक्तिकरण का संदेश देता है। क्षेत्र में कई ऐसे छठ व्रती है जो सिर्फ अपनी बेटियों के लिये वर्षो से छठ व्रत करते आ रही है। व्रतीयों मानना है कि भगवान ने जो दिया है वही हमारे लिये सबकुछ है। बेटे-बेटियों में कोई अंतर नहीं है बस अंतर है सोच में।

किया गया दीपदान

इस मौके पर महिलाओं ने दीपदान भी किया। पानी की लहरों पर हिलोर लेते दीपक और टिमटिमाती रोशनी ने तालाबों को रंगीन बना दिया था। छठ पर्व पर ऐसा लग रहा था मानों पूर्वाचंल क्षेत्र यहां उतर आया हो। पूजा के दौरान सूपे में परंपरागत पकवान प्रसाद के रूप में रखा ही गया था साथ ही मौसमी फलों के साथ गन्ने को अनिवार्य रूप से पूजा में शामिल किया गया था। व्रति महिलाओं के सूपों पर चढ़ाया गया प्रसाद- छठ महापर्व में छट घाट पर सभी व्रती महिलाओं के सुप पर श्रद्धालुओं ने फल चढ़ा सूर्य देव की उपासना की और आर्शीवाद लेकर पुत्र एवं परिवार की मंगलकामना की।

पूजा के लिये घाट पड़ा छोटा

छठ् पर्व करने वालों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है यही वजह है कि पटना के झूमरपारा तालाब में बने छठ् घाट छोटा पड़ जा रहा है इस बार श्रद्धालुओं की संख्या इतनी अधिक थी कि खड़े होने की जगह नहीं थी। यहां तक कि व्रती महिलाओं के सुप-दौरा से ही सीढ़ी भर गया था यहां तक कि अर्ध्य देने के लिये व्रती महिलाओं तक परिवारजनों को दिक्कत का सामना करना पड़ा।

जिले में सभी जगह मना छठ महापर्व

कोरिया जिले में शहर से लेकर गांव तक छठ पर्व की धूम रही, चिरिमिरी, बैकुंठपुर, मनेंद्रगढ़, चरचा, खड़गवां, नागपुर, नई लेदरी, खोंगापानी, झगराखांड, भरतपुर में भी मनाया गया छठ महापर्व सभी जगहों पर छठ व्रतियों की भारी संख्या देखी गई।

लगातार बढ़ रही है छठ व्रतियों की संख्या

छठ महापर्व की महिमा लगातार बढ़ रही है वहीं इसकी लोकप्रियता भी लगातार बढ़ रही है। क्षेत्र में अब गांव गांव में छठ व्रत करते श्रद्धालुओं को देखा जा सकता है।व्रत की लोकप्रियता का अंदाजा इसबात से भी लगाया जा सकता है कि जहां व्रतियों की संख्या बढ़ रही है वहीं व्रतियों की सेवा करने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है।

जनप्रतिनिधियों ने छठ घाट पहुंचकर श्रद्धालुओं से की मुलाकात, ग्रहण किया प्रसाद

जिले के प्रत्येक छठ घाट पर श्रद्धालुओं एवम व्रतियों से मिलने और प्रसाद ग्रहण करने जनप्रतिनिधियों को उपस्थित देखा गया। बैकुंठपुर विधायक जहां जिले के प्रत्येक छठ घाट पर पहुंचकर श्रद्धालुओं से मुलाकात करती देखीं गई वहीं उन्होंने प्रसाद भी ग्रहण किया। पूर्व मंत्री भइयालाल राजवाड़े भी प्रत्येक छठ घाट तक पहुंचे और श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं प्रदान की,इसी तरह जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी भी प्रत्येक छठ घाट तक पहुँचकर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं प्रदान करते देखे गए। जनप्रतिनिधियों में पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अनिल जायसवाल, बैकुंठपुर नगरपालिका अध्यक्ष, शिवपुर चरचा नगरपालिका अध्यक्ष सभी छठ व्रतियों को शुभकामनाएं प्रदान करने छठ घाट पर उपस्थित देखे गए।

पुलिस रही मुस्तैद

जिले में छठ घाटों पर पुलिस की मुस्तैदी देखी गई।भीड़ को नियंत्रित करने एवम जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा के मद्देनजर जिले का पुलिस महकमा अपनी जिम्मेदारी निभाते देखा गया। शाम एवम सुबह पुलिस के जवान छठ घाटों पर जिम्मेदारी निभाते देखे गए।

व्रतियों के सहयोग से विजय सिंह परेश सिंह विगत छः वर्षों से करते आ रहें हैं छठ व्रतियों के लिए व्यवस्था

ग्राम पटना में बढ़ते छठ व्रतियों की संख्या को देखते हुए विगत छः वर्षों से पूर्व आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित पटना के अध्यक्ष विजय सिंह व उप सरपंच पटना परेश सिंह छठ व्रतियों के सहयोग से ग्राम के झुमरपारा तालाब तट पर व्यवस्था करते चले आ रहें हैं। पटना में छठ व्रतियों के लिए झुमरपारा तालाब तट भी काफी प्रसिद्ध होता जा रहा है और श्रद्धालुओं की संख्या प्रतिवर्ष बढ़ रही है।

जिले में आज मनाया जायेगा राज्योत्सव

राज्योत्सव के मुख्य अतिथि बृहस्पत सिंह होंगे

छत्तीसगढ़ की कला-सांस्कृति पर आधारित अलग-अलग समूह द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बिखरेगी छटा

-संवाददाता-

सूरजपुर , 31 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 1 नवम्बर को सूरजपुर के बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्टेडियम मैदान में राज्योत्सव का आयोजन किया जाएगा। राज्योत्सव के मुख्य अतिथि सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष बृहस्पति सिंह होंगे। एक दिवसीय राज्योत्सव में इस बार छत्तीसगढ़ की कला-सांस्कृति पर आधारित खूबसूरत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की छटा बिखरेगी। राज्य स्थापना दिवस जिला स्तरीय कार्यक्रम रेणुका सिंह केंद्रीय राज्यमंत्री जनजाति मामले एवं सांसद लोकसभा सरगुजा, खेलसाय सिंह, अध्यक्ष सरगुजा विकास प्राधिकरण एवं विधायक प्रेमनगर, पारसनाथ राजवाड़े संसदीय सचिव छत्तीसगढ़ शासन एवं विधायक भटगांव, भानु प्रताप सिंह अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग, राजकुमारी मरावी अध्यक्ष जिला पंचायत सूरजपुर, केके अग्रवाल अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सूरजपुर एवं सूरजपुर जिले के समस्त जिला पंचायत सदस्य, नगरीय निकायों के अध्यक्ष एवं पार्षद, अध्यक्ष जनपद पंचायत एवं सदस्य गणों के विशिष्ट आतिथ्य में राज्योत्सव कार्यक्रम का आयोजन होगा।

कार्यक्रम की प्रस्तुति दोपहर 2 बजे से प्रारंभ होगी। जिसमें छत्तीसगढ़ दर्शन पर आधारित स्थानीय नर्तक दलों की प्रस्तुति अपराहन 2 से 5 तक होगी। सूरजपुर कला केंद्र की प्रस्तुति सायं 6 बजे से 6.30 बजे तक, छत्तीसगढ़ दर्शन पर आधारित हरेली, भोजली, देवार, जशगीत, सुआगीत, छत्तीसगढ़ लोकगीत संगीत एवं परंपरागत नृत्य की प्रस्तुति झांकी, मयूर नृत्य, कठपुतली शाम 6.30 से रात्रि 8.30 बजे तक होगी। तत्पश्चात सरगुजिया लोक गीत एवं नृत्य की प्रस्तुति रात्रि 8.30 से 10 तक संपन्न होगी।

कलेक्टर इफ्फत आरा ने राज्योत्सव महोत्सव स्थल में लोगों को सुविधा उपब्लब्ध कराने को ध्यान रखते हुए प्रवेश द्वार बनाने, व्हीआईपी, अधिकारी कर्मचारी, मीडिया एवं आम नागरिकों के लिए बैठक व्यवस्था, पार्किंग सहित विभिन्न व्यस्थाओं के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए उस संबंध में जानकारी लेकर व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं आकर्षक साज सज्जा फूड स्टॉल की भी जानकारी ली। उन्होंने जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए बायो टॉयलेट, लाइटिंग, पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने शासन की कल्याणकारी योजनाओं का विभिन्न विभागों द्वारा लगाये स्टॉल का जायजा लिया। स्टॉल में नागरिकों को शासकीय योजनाओं तथा उपलब्धियों की जानकारी मिलेगी। वहीं राज्योत्सव में कृषि, उद्यानिकी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जनसंपर्क विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य यंत्रिकी, वन विभाग, मत्स्य पालन, पशु चिकित्सा, अनुसूचित जाति एवं जनजाति विभाग, सहकारिता एवं श्रम विभाग, क्रेडा विभाग, लीड बैंक, खनिज विभाग, जिला सेनानी, रेशम विभाग, लाइवीहुड कॉलेज, जलसंसाधन विभाग, खाद्य विभाग, समाज कल्याण, स्व सहायता समूह सहित विभिन्न विभागों के द्वारा स्टॉल लगाया गया है।

रेत घाट से रात के वक्त कई ट्रैक्टर रेत हो रहे पार

अवैध उत्खनन कर परिवहन बदस्तूर जारी

-राजा मुखर्जी-

कोरबा , 31 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

हसदेव नदी गेरवाघाट के रेत घाट से रात के वक्त कई ट्रैक्टर रेत पार कराए जा रहे हैं। रेत का अवैध उत्खनन कर परिवहन बदस्तूर

जारी है। लेकिन छोटी-मोटी कार्रवाई तक ही जिम्मेदार विभाग अपने आपको सीमित रख लिया है। रेत माफियाओं के ट्रैक्टर रेत घाटों पर लग रहे हैं। इससे शासन को राजस्व की क्षति हो रही है। औने-पौने दाम पर रेत बेचे जा रहे हैं। सूत्रों की मानें तो रेत माफियाओं को शह मिलने से खुलेआम रेत की चोरी कर रहे हैं। मोटी रकम मिलने के एवज में घाट इनके लिए खुले छोड़ दिए गए हैं। जिले के थाना-चौकी के सामने से भी बेरोकटोक रेत परिवहन करते ट्रैक्टर गुजर रहे हैं। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एन जी टी) से हरी झंडी मिलने के बाद ही रेत घाट के संचालन की मंजूरी मिलेगी। मगर बारिश खत्म होने के पखवाड़े भर बीतने के बाद भी अनुमति देने में देरी की जा रही है। इसका फायदा रेत माफिया अवैध उत्खनन कर औने-पौने दाम पर रेत बेच कर उठा रहे हैं।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0.../अ-6/2021-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती सुषमा गुप्ता पत्नी स्व0 नागेश्वर प्रसाद गुप्ता, निलेश केशरवानी, विशिष्ट केशरवानी आ0 उमाशंकर केशरवानी, निवासी-देवीगंज रोड, तहसील अम्बिकापुर अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 ,के द्वारा बताया गया कि उनके पिता/नाना चमरू प्रसाद गुप्ता आ0 रामदयाल साव, एवं अरविंद प्रसाद गुप्ता आ0 चमरू प्रसाद गुप्ता के संयुक्त स्वामित्व व हक की मोहल्ला-देवीगंज रोड, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भू-खण्ड क्रमांक 441/1, 442 रकबा 0.04,0.09 एकड़ भूमि है। चमरू प्रसाद गुप्ता आ0 रामदयाल साव की मृत्यु दिनांक 14.04.2022 को हो गई है। चमरू प्रसाद गुप्ता आ0 रामदयल साव के वारिस आवेदकगण क्रमांक 1 से 3 तक है तक का नाम दर्ज किया जाये । अतः भू-धारक के वैध वारिस होने के कारण खातेदार के रूप आवेदक का नाम दर्ज किये जाने बावत् अवेदन पत्र अर्न्तगत धारा 109,110, छ0ग0 भू-रास्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध मे जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 07/12/2022 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 31/10/2022 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0.../अ-20(3)/2021-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती सुषमा गुप्ता पत्नी स्व0 नागेश्वर प्रशाद गुप्ता, उम्र-49 वर्ष, निवासी-सदररोड, नगर अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 ,ने आवेदन पत्र प्रस्तुत कर कथन किया है, कि उनके स्वामित्व व हक की मोहल्ला-सदररोड, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 2644/5, 2644/6 रकबा 418,242 वगफिट भूमि अभिलेख में दर्ज है। आवेदिका श्रीमती सुषमा गुप्ता पत्नी स्व0 नागेश्वर प्रसाद गुप्ता, उम्र- 49 वर्ष, निवासी-सदररोड, नगर अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा उक्त आवेदित नजूल भूमि प्लाट नंबर 2644/5, 2644/6 रकबा 418,242 वगफिट भूमि को निजी आवश्यकताओं की पूर्ती हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण बैंक में बंधक रखने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने बावत् आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है। आवेदन पत्र के समर्थन में मेन्टेनेश खसरा, शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त आनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 07/12/2022 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 31/10/2022 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

कोरबा डीएफओ प्रियंका पांडेय का अरण्य भवन में हुआ तबादला

अरविन्द पी एम कोरबा के नए डीएफओ

-संवाददाता-

कोरबा, 31 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

प्रदेश सरकार ने बड़े पैमाने पर आईएफएस यानी भारतीय वन सेवा के अफसरों के तबादले किये है। वही इनमे डीएफओ से लेकर सीसीएफ स्तर के अफसर शामिल हैं। वन्य एवं जलवायु विभाग की ओर से जारी लिस्ट के अनुसार इस तबादला सूची में 31 वन्य अफसरों के नाम शामिल है, जिसमे कोरबा वन विभाग की वनमंडलाधिकारी श्रीमती प्रियंका पांडेय को अरण्य भवन में अटैच कर दिया गया है, वही 2015 बैच के आईएफएस अरविन्द पी एम को कोरबा के नए डीएफओ बनाया गया।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202210020700080

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व सनः- 2022-2023

बिशुनपुर प.ह.न. 00019 (हे0)

पक्षकारों का विवरण-

आवेदक पक्षकार-शशिकला लकड़ा,

अनावेदक पक्षकार-विशाल प्रकाश मिंज,

ईश्तहार

आवेदक शशिकला लकड़ा पत्नि जॉन प्रदीप लकड़ा, निवासी महुआपारा, फुन्दुरडिहारी, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम ग्राम बिशुनपुर, तहसील अम्बिकापुर, स्थित खसरा नंबर 165/5 में से रकबा 0.020 हे0 भूमि को पजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 11/11/2022 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/10/2022 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीदार सरगुजा (अम्बिकापुर)

कुसमी में छठ महापर्व धूमधाम से मनाया गया

-उपेश सिन्हा-

कुसमी , 31 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

सूर्य भगवान की उपासना का महापर्व छठ आज सुबह सुबह सूर्य देव को अर्घ्य देकर पूजा अर्चना हवन प्रसाद वितरण के बाद व्रतियों ने अपना निर्जला उपवास तोड़ा और फिर श्रदालुओं का छठ महापर्व खुशहाली के साथ सम्पन हुआ, दरसल शुक्रवार नहान खान से इस महापर्व की शुरुवात हुई थी लगभग तीन से चार दिनों तक यह पर्व चलता है,कुसमी शहर के अलावा गांव - गांव में भी लोगो ने छठ महापर्व को धुमधाम से मनाया शनिवार शाम को डुबते हुये सूर्य को अर्घ्य दिया गया, तो वही रविवार की सुबह सुबह उगते हुये सूर्य को अर्घ्य दिया गया,छठ घाट में श्रदालुओं ने भक्ति भाव से सूर्य भगवान और छठ माता की पुजा अर्चना की, छठ घाट में काफी संख्या में भक्त गण शामिल हुये थे।खुशहाली के इस महापर्व में लोगो ने कई तरह की आतिशबाजी कर छठ महापर्व पर खुशियों मनाई , छठ घाट में पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहकर अपनी जिम्मेदारी का पालन करते हुये ट्रेफिक सहित सुरक्षा व्यवस्था को बनाये रखने में लोगो का सहयोग दिया।

गौठान बने चोरों का चारागाह

आए दिन हो रही चोरियों से योजना को पलीता

-राजा मुखर्जी-

कोरबा , 31 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की महत्वाकांक्षी योजना नरवा-गरुवा-घुरुवा-बाड़ी के तहत बने गौठान को चोर पलीता लगाने पर तुले हुए हैं। गौठानों का विकास के लिए जहां समय-समय पर निर्देश देने के साथ ही क्रियान्वयन के लिए शीर्ष अधिकारियों द्वारा अधिनस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों की बैठक लेकर निलंबन की सजा भी दी जाती है वहीं दूसरी ओर अनेक गौठान चोरों के लिए चारागाह से कमतर नहीं है। इन गौठानों में भले ही गौवंश नजर न आए लेकिन चोरों की नजर जरूर पड़ जाती है। जिले के अनेक गौठान चोरों की चपेट में आकर सब मर्सिबल पंप, पैनल बोर्ड, केबल तार, सौर ऊर्जा पंप, सोलर प्लेट, फेंसिंग

तार आदि की चोरी का शिकार हो चुके हैं। गौठानों से गोबर और खाद की चोरी भी हो चुकी है। इन चोरों पर पुलिस की पकड़ अब तक नाकाफी साबित हुई है। दो-चार मामलों को छोड़ दें तो गौठानों के चोर पुलिस की पकड़ से बाहर हैं।ऐसा ही एक मामला उरगा थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम पताढ़ी में सामने आया है जहां दर्राभाठा के जोगीनाला के समीप निर्मित गौठान सह चारागाह की सुरक्षा में सेंध लगाई गई है। सुरक्षा हेतु पोल (खंभा) और फेंसिंग तार लगाकर गौठान व चारागाह को अलग-अलग किया गया है। चारागाह में घेराव पर लगे लोहे के 20 खंभा और फेंसिंग तार को अज्ञात चोरों ने चुरा लिया। अपने स्तर पर तलाश करने के बाद ग्राम पंचायत पताढ़ी के सचिव संत कुमार राजवाड़े निवासी ग्राम कटबितला ने जनपद पंचायत कोरबा को सूचना देते हुए उरगा थाना में रिपोर्ट दर्ज करा दिया है। पुलिस इस मामले में धारा 379 के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना कर रही है।

खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में धान खरीदी की आरंभिक तैयारी की समीक्षा

-संवाददाता-

सूरजपुर , 31 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 के अंतर्गत 01 नवम्बर 2022 से 31 जनवरी 2023 तक खरीदी किया जाना है। आदेश के परिपालन में कलेक्टर इफ्फत आरा की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में जिले के समस्त नोडल अधिकारी, सहायक नोडल अधिकारियों आगामी धान खरीदी को लेकर बिंदुवार समीक्षा की गई। जिले में कुल समिति 48, उपार्जन केंद्र 50 बनाए गए हैं। धान खरीदी का लक्ष्य 281750 मेट्रिक टन है एवं पंजीकृत किसानों की संख्या 54265 है। धान खरीदी की प्रारंभिक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। कलेक्टर ने कहा कि 1 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ हो रहा है जिसमे बड़े उत्साह के साथ किसानों का धान खरीदी करने तथा किसानों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने टोकन काटने एवं शासन का पैसा किसानों के खाते में जाए भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विराट कोहली के होटल के कमरे का वीडियो ऑनलाइन लीक होने के बाद ये कहा...

पर्थ , 31 अक्टूबर 2022। स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने सोमवार को अपने पर्थ होटल के कमरे के भयावह÷वीडियो पर आश्चर्य व्यक्त किया जो सोशल मीडिया पर सामने आया और कहा कि वह कट्टरता और गोपनीयता के पूर्ण आक्रमण से निराश था। मैं समझता हूं कि प्रशंसक अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को देखकर बहुत खुश और उत्साहित होते हैं और उनसे मिलने के लिए उत्साहित होते हैं और मैंने हमेशा इसकी सराहना की है। लेकिन यहां यह वीडियो भयावह है और इसने मुझे अपनी गोपनीयता के बारे में बहुत पागल महसूस कराया है। अगर मैं गोपनीयता नहीं रख सकता मेरे अपने होटल के कमरे में, तो मैं वास्तव में किसी भी व्यक्तिगत स्थान की उम्मीद कहाँ कर सकता हूँ ??÷ विराट ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया। उन्होंने ट्विटर, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किए गए वीडियो को भी साझा किया और कहा कि वह इस तरह की कट्टरता के साथ ठीक नहीं हैं÷।साझा किया गया वीडियो कथित तौर पर जूते, सूटकेस, कमरे के वॉशरूम का एक दृश्य, कुछ निजी सामान के साथ विराट के कमरे का भ्रमण करता है।वीडियो में एक बिंदु पर जिसका शीर्षक था किंग कोहली का होटल का कमरा एक व्यक्ति जो स्पष्ट रूप से वीडियो फिल्मा रहा है, वह अलमारी खोलता है जहाँ दर्शक को एक लोहे का बक्सा देखने को मिलता है।

विराट ने कहा- मैं इस तरह की कट्टरता और निजता के पूर्ण आक्रमण से ठीक नहीं हूं। कृपया

लोगों की निजता का सम्मान करें और उन्हें मनोरंजन के लिए एक वस्तु के रूप में न मानें।÷प्रशंसकों और मशहूर हस्तियों ने अपराधी की खिंचाई की और अपनी घृणा व्यक्त करने के लिए टिप्पणी अनुभाग में विराट की दीवार पर पोस्ट किया।ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने होटल को टैग करते हुए टिप्पणी की, यह हास्यास्पद है, पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

जो भी इस गलती के लिए जिम्मेदार है वह शर्मनाक होना चाहिए, एक आदमी जो देश के प्रति समर्पित है और भीड़ के बीच अपना अधिकतम समय दे रहा है, कम से कम अपने होटल के कमरे में कुछ शांतिपूर्ण समय होना चाहिए। इस प्रकार की कट्टरता बीमार है और चाहिए कहीं भी सराहना नहीं की जाएगी, एक प्रशंसक ने टिप्पणी की।एक अन्य प्रशंसक ने टिप्पणी की, यह पूरी तरह से गलत है। हमें किसी भी इंसान की निजता का सम्मान करना होगा, भले ही वह व्यक्ति हमारा पसंदीदा खिलाड़ी हो। हम उससे प्यार करते हैं लेकिन हमें उसके निजी स्थान का भी सम्मान करना चाहिए।

एक अन्य प्रशंसक ने कहा, ओमग..कोई ऐसा क्यों करेगा और होटल के कर्मचारियों ने इसकी अनुमति भी कैसे दी ... वास्तव में सभ्य व्यवहार नहीं ...।एक अन्य प्रशंसक ने टिप्पणी की, ÷व्हाट द हेल! इस आदमी को कम से कम कुछ जगह दें। आओ नहीं किया यह है।÷।विशेष रूप से, विराट का अब तक अच्छा वर्ल्ड टी 20विश्व कप रहा है। बल्लेबाज ने अब तक तीन मैचों में दो अर्धशतकों के साथ 156 रन बनाए हैं, जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ उनकी तत्काल-क्लासिक मैच जीतने वाली 82 शामिल है। वह टूर्नामेंट में अब तक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं।

उन्होंने रविवार को वर्ल्ड टी 20 विश्व कप स्पर्धाओं में 1,000 रन भी पूरे किए, ऐसा करने वाले वह केवल दूसरे खिलाड़ी बन गए।हालाँकि, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनका प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा क्योंकि वह केवल 12 रन बना सके और बल्लेबाज एडेन मार्कराम का एक महत्वपूर्ण कैच छोड़ दिया।वह अगली बार 2 नवंबर को बांग्लादेश के खिलाफ एक्शन में नजर आएंगे।

स्टार्क की यॉर्कर ने जीता दिल, आयरलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया को मिली जीत

एडीलेड, , 31 अक्टूबर 2022। टी20 वर्ल्ड क प 2022 में सोमवार को ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को 42 रनों से हरा दिया. ऑस्ट्रेलिया की जीत में एरॉन फिंच ने शानदार अर्धशतक लगाया और वो प्लेयर ऑफ द मैच भी चुने गए लेकिन इस मुकाबले में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की दो गेंदों ने जमकर सुर्खियां बटोरी. मिचेल स्टार्क ने आयरलैंड के खिलाफ दो विकेट हासिल किए और ये दोनों ही विकेट उन्होंने एक ही ओवर में लिए. मिचेल स्टार्क को दोनों विकेट यॉर्कर पर मिले जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है. चौथे ओवर में गेंदबाजी करने आए मिचेल स्टार्क ने अपने पहले ही ओवर में कहर बरपा दिया. इस खिलाड़ी ने पहले कर्टिस कैंफर को बोल्ड किया. मिचेल स्टार्क की ये गेंद इनस्विंगिंग यॉर्कर थी, जिसे पढ़ने में कर्टिस कैंफर नाकाम रहे. इसके बाद इसी ओवर में जॉर्ज डॉकरेल भी स्टार्क की गेंद पर बोल्ड हो गए. ये गेंद भी यॉर्कर थी जिसका जवाब बल्लेबाज के पास नहीं था.

मिचेल स्टार्क की ये दोनों गेंदें सच में कमाल थी. उनकी इन गेंदों को टूर्नामेंट की बेस्ट गेंद बताया जा रहा है. मिचेल स्टार्क ने इस टूर्नामेंट में अबतक कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया है. उन्होंने तीन मैचों में तीन विकेट हासिल किए हैं और उनका इकॉनमी रेट भी 8 रन प्रति ओवर से ज्यादा रहा है. लेकिन जिस तरह से स्टार्क ने आयरलैंड के खिलाफ मैच में गेंदबाजी की इसके बाद वो लय में नजर आ रहे हैं. मैच की बात करें तो गाबा के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया ने 42 रनों से जीत हासिल की. ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 179 रन बनाए. कप्तान एरॉन फिंच ने 44 गेंदों में 63 रन बनाए. उनके अलावा स्टोयनिस ने 25 गेंदों में 35 रन बनाए. मिचेल मार्श ने भी 28 रनों की पारी खेली. आयरलैंड की ओर से सिर्फ लॉर्कन टकर ने जबर्दस्त बल्लेबाजी की. वो 48 गेंदों में 71 रन पर नाबाद रहे.।

''अर्जुन अवॉर्ड'' और ''पद्मश्री'' से सम्मानित 'गूंगा पहलवान' ने सर्वोच्च खेल सम्मान के लिए फिर उठाई आवाज

मैंने मूक-बधिर पहलवानों की विश्व चैम्पियनशिप में एक स्वर्ण पदक समेत तीन पदक जीते हैं। लेकिन मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि मुझे अब तक खेल रत्न पुरस्कार क्यों नहीं दिया गया है?'

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर 2022। गूंगा पहलवान' के नाम से मशहूर वीरेंदर सिंह ने भारत के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार पर एक बार फिर अपना दावा ठोका है। उन्होंने इस बात पर हैरत जताई है कि बोल और सुन नहीं पाने वाले खिलाड़ियों के ओलंपिक खेलों यानी डेफलंपिक्स में देश के लिए पांच पदक समेत अलग-अलग प्रतिष्ठित स्पर्धाएं जीतने के बावजूद उन्हें अब तक इस पुरस्कार के काबिल नहीं समझा गया है। सिंह ने ''पीटीआई-भाषा'' के साथ साक्षात्कार के दौरान इशारों की जुबान में कहा,''मैं गुजरे बरसों के दौरान डेफलंपिक्स में भारत के लिए पांच पदक जीत चुका हूं जिनमें तीन स्वर्ण पदक शामिल हैं। मैंने मूक-बधिर पहलवानों की विश्व चैम्पियनशिप में एक स्वर्ण पदक समेत तीन पदक जीते हैं। लेकिन मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि मुझे अब तक खेल रत्न पुरस्कार क्यों नहीं दिया गया है?''

दिल्ली में वर्ष 1886 के दौरान स्थापित अखाड़े ''बाल व्यायामशाला'' में लड़कपन से कुश्ती के दांव-पेंच सीखने वाले

36 वर्षीय पहलवान ने बताया कि इस खेल में उनका सफर कतई आसान नहीं रहा है और उन्होंने तमाम सामाजिक भेदभावों को पीछे छोड़कर अपना मुकाम बनाया है। सिंह ने बताया कि उन्होंने कुश्ती में अपने करियर की शुरुआत सामान्य यानी बोल और सुन सकने वाले खिलाड़ियों के साथ की थी, लेकिन एक बार सीटी की आवाज नहीं सुन पाने के कारण उन्हें चयन ट्रायल से बाहर कर दिया गया और इसके बाद से वह मूक-बधिर पहलवानों के साथ कुश्ती खेलने लगे। कुश्ती में उल्लेखनीय योगदान के लिए सिंह को सरकार द्वारा गुजरे बरसों में ''अर्जुन अवॉर्ड'' और ''पद्मश्री'' से सम्मानित किया जा चुका है और अब उनकी निगाहें मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार पर टिकी हैं। उनके सहयोगी रामबीर सिंह ने बताया कि गूंगा पहलवान को खेल रत्न पुरस्कार देने की मांग वर्ष 2017 से की जा रही है और इसके लिए वह सोशल मीडिया पर मुहिम भी छेड़ चुके हैं।

रामबीर सिंह ने कहा,''अगर वीरेंदर सिंह को खेल रत्न पुरस्कार दिया जाता है तो न केवल उनका हौसला बढ़ेगा, बल्कि उन जैसे हजारों मूक-बधिर खिलाड़ियों के बीच सकारात्मक संदेश भी जाएगा।'' गौरतलब है कि मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार पिछले चार वर्षों की अवधि में खेल के क्षेत्र में शानदार और अत्यंत उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है।

शोएब अख्तर ने कहा-इन्होंने पाकिस्तान को मरवा दिया

पेशावर, 31 अक्टूबर 2022। ऑस्ट्रेलिया में जारी टी20 वर्ल्ड कप टूर्नामेंट में भारत को पहली हार दक्षिण अफ्रीका से मिली है। इस हार के बाद भारतीय फैंस काफी दुखी है, मगर भारत को मिली इस हार से पाकिस्तानी फैंस भी काफी दुख में है। सिर्फ पाकिस्तान के फैंस ही नहीं बल्कि पूर्व पाकिस्तानी गेंदबाज शोएब अख्तर भी इस हार से परेशान हो गए है।

दरअसल भारती की हार के कारण पाकिस्तान की टीम की टी20 वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद काफी हद तक ध्वस्त हो गई है। पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज शोएब अख्तर भी भारत की हार पर अपनी भावनाओं को काबू नहीं कर सके। उन्होंने भी भारत की हार पर दुख व्यक्त किया है।

शोएब अख्तर ने कही ये बात

अपने यूट्यूब चैनल पर शोएब अख्तर ने कहा कि भारत ने तो पाकिस्तान को मरवा दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय बल्लेबाज वर्ल्ड क्लास बॉलिंग अटैक को झेल नहीं सके और फ्लॉप रहे। उन्होंने आगे कहा कि हमने खेला ही बुरा था, इसमें भारतीय टीम को दोष नहीं है। मगर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भारतीय टीम ने निराश किया है।

मिलर की तारीफ

शोएब अख्तर ने दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी डेविड मिलर की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने अपने क्लास खेल का प्रदर्श नकिया है। बता दें कि इस वर्ष दक्षिण अफ्रीका टी20 वर्ल्डकप जीतने की बड़ी दावेदार है। पाकिस्तान को भी ये टीम हराने का माद्दा रखती है। शोएब ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका विरोधी टीम को जीत के नजदीक पहुंचने के बाद भी उन्हें हराने में माहिर है। ऐसे में इस बार ट्रॉफी पर कब्जा करने के दक्षिण अफ्रीकी टीम के काफी चांस है।

भारत का मुकाबला आसान टीमों से

आने वाले दिनों में भारतीय टीम का मुकाबला काफी आसान टीमों के साथ होने वाला है। ऐसे में भारतीय टीम के लिए सेमीफाइनल में पहुंचना आसान है जबकि पाकिस्तान के लिए ये राह काफी मुश्किल हो गई है। पाकिस्तान को अभी दक्षिण अफ्रीका से भीड़ना है जो जबरदस्त फॉर्म में है। पाकिस्तान के लिए दक्षिण अफ्रीका से जीतना काफी मुश्किल भरा रहने वाला है। उन्होंने सुझाव दिया कि पाकिस्तान की टीम को बल्लेबाजी में मिडिल ऑर्डर में सुधार लाने की जरुरत है।

विराट की कैच न छूटती तो परिणाम अलग होते

पर्थ , 31 अक्टूबर 2022। टी 20 वर्ल्ड कप 2022 में भारत की अच्छी शुरूआत हुई लेकिन आखिर में रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए मैच के बाद यह विजय रथ रुक गया। भारत को दक्षिण अफ्रीका ने 5 विकेट से हराया। मैच काफी रोमांचक था लेकिन 134 रनों का टारगेट देने के बाद भी टीम इंडिया के गेंदबाज मैच को आखिरी ओवर तक खींच कर लाए। मिलर-किलर की पारी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने दबाव के बाद भी रन चेज कर लिया। मुकाबले के दौरान कई गलतियां भारतीय टीम से हुई शायद यहीं गलतियां ही भारतीय टीम का कारण बनीं वरना मैच भारत के पक्ष में होता। अब तेज गेंजबाद भुनेश्वर ने हार के कई कारण बताते हुए कहा कि विराट कोहली का कैच और रोहित शर्मा की मिस-फिल्डिंग न होती तो रिजल्ट कुछ और होता।

भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने रविवार को यहां कहा कि यदि एडेन मार्कराम का कैच नहीं छूटा होता और रन आउट के दो मौके नहीं गंवाए होते तो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ परिणाम कुछ और होता। मार्कराम जब 35 रन पर थे तब विराट कोहली ने उनका कैच छोड़ दिया था। इस बल्लेबाज ने इसका पूरा फायदा उठाकर 52 स न बनाए और दक्षिण अफ्रीका को पांच विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने इसके अलावा रन आउट के दो मौके भी गंवाए। भुवनेश्वर ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा,'' अगर हमने कैच नहीं छोड़े होते तो परिणाम भिन्न होता। कैच लेने से ही मैच जीते जाते हैं और यदि हमने उन मौकों को भुनाया होता तो उससे अंतर पैदा हो सकता था।'' उन्होंने कहा, ''मैं ऐसा नहीं कहूंगा कि इससे पासा पलट जाता लेकिन यह अंतर पैदा कर सकता था। लेकिन मैं किसी विशेष क्षण को इस तरह इंगित नहीं करूंगा। खेल आखिरी ओवर तक गया क्योंकि भारतीय गेंदबाजों ने हार नहीं मानी। 6 बॉल पर 6 रनों की दरकार थी और गेंद भुवनेश्वर करवा रहे थे। आखिर में रोमांचक मुकाबला हुआ और दक्षिण अफ्रीका ने अपनी जीत दर्ज की।

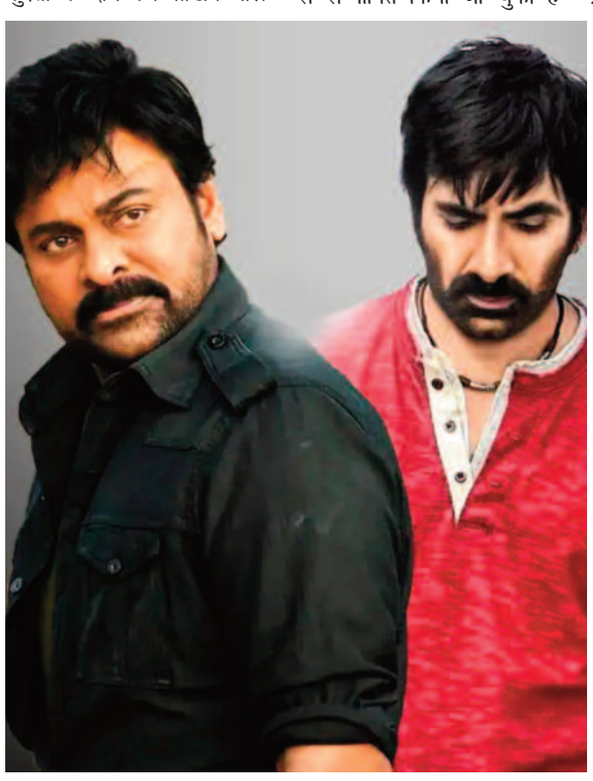

चिरंजीवी,रवि तेजा ने वाल्टेयर वीरैया में एक गाने के लिए एक साथ किया डांस

निर्देशक बॉबी कोल्ली की आगामी सामूहिक और व्यावसायिक मनोरंजक फिल्म वाल्टेयर वीरैया के निर्माताओं ने अब मेगास्टार चिरंजीवी और अभिनेता रवि तेजा के साथ एक शानदार डांस नंबर की शूटिंग की है। फिल्म यूनिट के करीबी सूत्रों का कहना है कि इस डांस को एक विशाल सेट पर शूट किया गया है।

रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद, जिन्होंने फिल्म के लिए संगीत दिया है, एक सामूहिक नृत्य लेकर आए हैं जो मनोरंजन से भरपूर होगा।

सूत्रों का कहना है कि चिरंजीवी और रवि तेजा, जो दोनों महान नर्तक के रूप में जाने जाते हैं, नृत्य में सुंदर और सुरुचिपूर्ण दिखते हैं, जिसे शेखर मास्टर द्वारा कोरियोग्राफ किया गया है।

यह याद किया जा सकता है कि चिरंजीवी को एक विंटेज मास अवतार में प्रस्तुत करने वाले फिल्म के शीर्षक टीजर को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। श्रुति हासन ने फिल्म में चिरंजीवी के साथ मुख्य भूमिका निभाई है, जो सभी व्यावसायिक सामग्रियों से भरपूर एक मास-एक्शन एंटरटेनर है।

फिल्म का निर्माण मैथरी मूवी मेकर्स के नवीन यरनेनी और वाई. रविशंकर द्वारा बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, जबकि जी.के. मोहन सह-निर्माता हैं। आर्थर ए. विल्सन फिल्म के छायाकार हैं, जिसका संपादन निरंजन देवरामने और सुष्मिता कोनिडेला ने कॉस्ट्यूम डिजाइनर के रूप में किया है।

जहां कहानी और संवाद बॉबी ने खुद लिखे हैं, वहीं कोना वेंकट और के. चक्रवर्ती रेड्डी ने पटकथा लिखी है। लेखन विभाग में हरि मोहन कृष्ण और विनीत पोटलुरी भी शामिल हैं।

वाल्टेयर वीरैया अगले साल संक्रांति पर स्क्रीन पर आने वाली है।

तमिल अभिनेत्री तान्या होप आयुष शर्मा की एएस04 में डांस नंबर करेंगी

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री तान्या होप बॉलीवुड अभिनेता आयुष शर्मा की हाल ही में घोषित चौथी फिल्म के लिए एक डांस नंबर के साथ हिंदी में अपनी शुरूआत करने के लिए तैयार हैं। एक्शन थ्रिलर फिल्म को अस्थायी रूप से एएस04 शीर्षक दिया गया है और इसकी घोषणा आयुष ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म के एक टीजर के साथ की थी। आयुष शर्मा-स्टारर में डांस नंबर के बारे में बात करते हुए, अभिनेत्री ने कहा, जिस गाने पर हमने डांस किया वह एक धमाकेदार है और मैं दर्शकों के इसे सुनने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। महान जानी मास्टर ने इस ट्रैक को कोरियोग्राफ किया है, और हम सभी इसकी शूटिंग और इसे परफॉर्म करने में बहुत मजा आया। इसमें कोई शक नहीं कि यह सभी शादियों में अगला धमाका होगा।

अभिनेत्री ने दक्षिण भारत से बॉलीवुड रीमेक सामग्री के पैटर्न के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि यह स्थानीय कहानियों को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने में मदद करता है। उन्होंने कहा, विभिन्न भाषाओं में भी कुछ

बेहतरीन कहानियां बन रही हैं और वे बड़े दर्शकों तक पहुंच रही हैं। मैंने तमिल में एक बॉलीवुड फिल्म का रीमेक भी किया है। यह विक्की डोनर की रीमेक थी, जिसका शीर्षक था धरला प्रभु जहां मैंने वह किरदार निभाया था जिसे यामी गौतम ने हिंदी संस्करण में निभाया था।

उन्होंने कहा, मेरा निजी तौर पर मानना है कि अगर फिल्म अच्छी है तो उसका रीमेक क्यों नहीं बनाया जाए।

रॉकेट गैंग के लिए स्पेशल डांस करेंगे रणबीर कपूर

बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर को कोरियोग्राफर से निर्देशक बने बॉस्को लेस्ली मार्टिस के निर्देशन में बनी पहली फिल्म रॉकेट गैंग के लिए एक विशेष डांस नंबर में शामिल किया गया है। गाने का टीजर सोमवार को रिलीज किया जाएगा। रणबीर और बॉस्को ने इम्तियाज अली की तमाशा और रॉकस्टार सहित कई प्रोजेक्ट्स पर साथ काम किया है। इसलिए, अभिनेता ने अपने दोस्त के लिए प्रशंसा के निशान के रूप में गाने के लिए आने का फैसला किया। नंबर के लिए अपने प्रिय मित्र के साथ सहयोग के बारे में बात करते हुए,

बॉस्को ने कहा, मैं रणबीर को विशेष अतिथि के रूप में पाकर बहुत रोमांचित हूं। वह एक महान अभिनेता और एक महान ड्रांसर हैं। मैंने पूरे गीत को कोरियोग्राफ किया है और मैं वास्तव में खुश हूं। मैं सोमवार को गाने का टीजर रिलीज करने और प्रशंसकों की प्रतिक्रिया देखने के लिए उत्साहित हूं।

रॉकेट गैंग एक डांस हॉरर-कॉमेडी-ड्रामा है जिसमें निकिता दत्ता और लोकप्रिय डांस रियलिटी शो के बाल कलाकारों के साथ आदित्य सील मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 11 नवंबर को सिनेमाघरों में आएंगी।

मुख्यमंत्री ने किसानों और प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश में एक नवम्बर से शुरू हो रहे धान खरीदी के महाभियान पर किसानों और प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी सहित किसान हितैषी योजनाओं से प्रदेश में खेती-किसानी में नये उत्साह का संचार हुआ है। खेतों से दूर हो रहे किसान खेतों की ओर लौटे हैं और खेती का रकबा भी बढ़ा है। राज्योत्सव के साथ ही खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में प्रदेश के पंजीकृत किसानों से 01 नवम्बर 2022 से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होगी। इस वर्ष लगभग 110 लाख मीट्रिक धान का उपार्जन अनुमानित है। समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए राज्य में 25.72 लाख किसानों का एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन हुआ है, जिसमें लगभग 61 हजार नये किसान है। राज्य में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए 2497 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं। इस साल किसानों से सामान्य धान 2040 रूपए प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान 2060 रूपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जाएगा।

खाद्य विभाग के सचिव श्री टोपेश्वर वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुरूप खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 के लिए एक नवम्बर 2022 से धान ,खरीदी शुरू हो जाएगी। किसानों से सुगमतापूर्वक धान खरीदी के लिए राज्य शासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां एवं व्यवस्थाएं कर ली गई है। किसानों को धान बेचने में किसी भी तरह की दिक्कत न आए, इसको लेकर सभी केन्द्रों में बेहतर प्रबंध किए जाने के साथ ही व्यवस्था पर मॉनिटरिंग के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। खाद्य सचिव श्री वर्मा ने बताया कि गत वर्ष के पंजीकृत 24.05 लाख किसानों ने पंजीयन कराया था। पंजीकृत किसानों के डाटा को कैरी फॉरवर्ड तथा इस साल लगभग

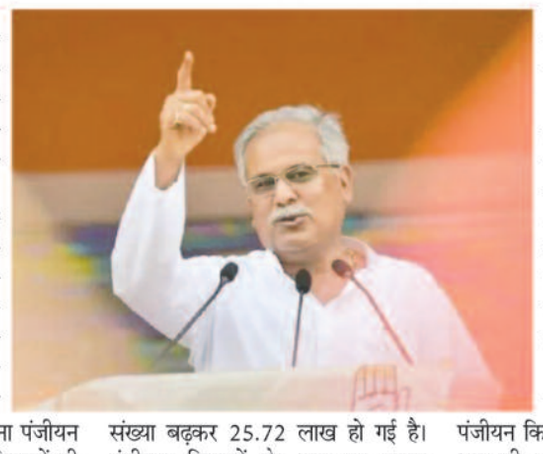

61 हजार नये किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। इस प्रकार पंजीकृत किसानों की संख्या बढ़कर 25.72 लाख हो गई है। पंजीकृत किसानों के धान का रकबा बढ़कर 30.44 लाख हेक्टेयर हो गया है। समर्थन मूल्य पर किसानों से धान की खरीदी की अधिकतम सीमा पिछले वर्ष के अनुसार 15 क्वि. प्रति एकड़ लिकिंग सहित निर्धारित की गई है। धान खरीदी हेतु बारदाने की व्यवस्था कर ली गई है। धान खरीदी के लिए सभी समितियों में पर्याप्त बारदाने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

उपार्जित धान की कस्टम मिलिंग के लिए मिलर्स का पंजीयन किया जा रहा है। राज्य में अवैध धान की आवक रोकने तथा संवेदनशील उपार्जन केन्द्रों पर निगरानी के लिए नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं। सीमावर्ती सोसायटियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। अन्य राज्यों से छत्तीसगढ़ में धान का अवैध परिवहन न हो, इसकी रोकथाम के लिए चेकपोस्ट भी बनाए गए हैं, जहां अधिकारियों की टीम माल वाहकों पर कड़ी निगरानी रखेगी। गौरतलब है कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत खरीफ फसलों की उत्पादकता में वृद्धि तथा फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों को प्रति एकड़ के मान से 9 हजार रूपए तथा धान की खेती बदले अन्य फसलों की खेती करने वाले किसानों को प्रति एकड़ की मान से 10 हजार सब्सिडी दी जा रही है। बीते तीन सालों में राज्य के किसानों को 16 हजार 415 करोड़ रूपए की सब्सिडी दी जा चुकी है। वर्ष 2019 में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले 18.43 लाख किसानों को प्रति एकड़ 10 हजार रूपए के मान से 5627 करोड़ रूपए, वर्ष 2020 में 20.59 लाख किसानों को 5553 करोड़ रूपए तथा वर्ष 2021 में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले 24 लाख किसानों को तीन किश्तों में 5235 करोड़ रूपए की सब्सिडी दी जा चुकी है। वित्तीय वर्ष के अंत तक किसानों को चौथी किश्त के रूप में 1745 करोड़ रूपए की सब्सिडी और दी जाएगी। इस प्रकार इस राज्य के किसानों को कुल 6980 करोड़ रूपए सब्सिडी के रूप में मिलेंगे।

छायाचित्र प्रदर्शनी आम लोगों के लिए प्रेरणादायी

रायपुर। देश की पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न इंदिरागांधी की पुण्यतिथि और लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर जनसम्पर्क विभाग द्वारा आज दोनों महान विभूतियों के व्यक्तित्व, कृतित्व और देश के लिए उनके योगदान पर केन्द्रित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में किया गया। छायाचित्र प्रदर्शनी को आम नागरिकों, युवाओं सहित महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं ने अवलोकन कर उसकी सराहना की।

डंगनिया रायपुर के 76 वर्षीय रामकुमार देवांगन और 70 वर्षीय आशाराम देवांगन ने छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन कर बताया कि देश के दोनों विभूतियों की जीवनी के संबंध में अब तक किताबों में पढ़ते थे, लेकिन आज छायाचित्र प्रदर्शनी के माध्यम से अवलोकन करने का अवसर मिला। उन्होंने छायाचित्र प्रदर्शनी को लोगों के लिए प्रेरणादायी बताया। महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन कर ज्ञानवर्धक बताया। प्रदर्शनी में राज्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित पुस्तकें, ब्रोशर आदि का निःशुल्क वितरण कर लाभान्वित किया गया।

7 जुआरी चढ़े पुलिस के हत्थे

रायपुर, 31 अक्टूबर 2022। तेलीबांधा व पुरानी बस्ती पुलिस के टीम ने जुआ खेलते 7 जुआरियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपियों के पास से ताशपत्ती सहित नकदी 2570 रुपए जब्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार तेलीबांधा पुलिस ने वर्मा फोटो कॉपी दुकान के पास जुआ खेलते आरोपी प्रशांत विश्वास 48 वर्ष सहित अन्य 4 को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से ताशपत्ती सहित नकदी 2300 रुपए जब्त किया है। वहीं पुरानी बस्ती पुलिस ने बंधवापारा के पास जुआ खेलते आरोपी सुनील ओगले 30 वर्ष सहित अन्य 1 को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से ताशपत्ती सहित नकदी 270 रुपए जब्त किया है। पुलिस ने मामले में आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

सर्बिया,इंडोनेशिया और मालदीव के नृतक दल राजधानी रायपुर पहुंचे

रायपुर, 31 अक्टूबर 2022। यूरोप के सर्बिया और एशिया से मालदीव और इंडोनेशिया के नृतक दल राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में शामिल होने आज राजधानी रायपुर पहुंचे। विभागीय अधिकारी कर्मचारियों ने माना विमानतल पर उनका आत्मीय स्वागत किया गया। नृतक दलों में गजब का उत्साह देखने को मिला और इस उत्साह के साथ ही उन्होंने अपने अपने अपने देश की संस्कृति की झलक एयरपोर्ट पर नृत्य करके भी प्रदर्शित की।

नर्तक दलों ने छत्तीसगढ़ सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि नेशनल ट्राइबल डांस फेस्टिवल से उन्हें सांस्कृतिक अदान प्रदान में शामिल होने का अच्छा अवसर मिल रहा है तथा छत्तीसगढ़ की संस्कृति के साथ साथ विभिन्न देश की संस्कृति से नेशनल ट्राइबल डांस फेस्टिवल के जरिए अवगत हो पाएंगे। इसके पश्चात उन्होंने छत्तीसगढिया सबले बढिया का नारा का उदघोष किया।

उल्लेखनीय है कि सरबिया मालदीव और इंडोनेशिया से आए सभी नृतक दलों में 10-10 सदस्य हैं। सर्बिया से आए नृतक दल में 6 पुरुष और 4 महिला, मालदीव से आए दल में 10 पुरुष एवं इंडोनेशिया के दल में 5 पुरुष और 5 महिला सदस्य शामिल हैं। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में 1 नवंबर से 3 नवंबर तक राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य एवं राज्य उत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे देश के विभिन्न राज्यों के साथ साथ 9 विदेशी टीम भी शिरकत कर रही है।

भाजपा पार्षद ने किया कांग्रेस प्रवेश

महासमुंद, 31 अक्टूबर 2022। भाजपा पार्षद रिंकू चंद्राकर ने आज सोमवार को कांग्रेस की नीतियों से प्रभावित होकर कांग्रेस प्रवेश किया। संसदीय सचिव व विधायक चंद्राकर ने कांग्रेस का गमछा पहनाकर उनका पार्टी में स्वागत किया।

आज सोमवार को कांग्रेस भवन महासमुंद में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस दौरान भाजपा पार्षद रिंकू चंद्राकर ने कांग्रेस की नीतियों से प्रभावित होकर कांग्रेस प्रवेश की घोषणा की। जिस पर संसदीय सचिव चंद्राकर ने गमछा पहनाकर कांग्रेस पार्टी में उनका स्वागत किया। गौरतलब है कि संसदीय सचिव विनोद सेवनलाल चंद्राकर की कुशल रणनीति से क्षेत्र में कांग्रेस का जनाधार लगातार बढ़ रहा है। शहर व गांवों में लोगों का विश्वास कांग्रेस पार्टी के प्रति बढ़ रहा है। नतीजतन लगातार लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं। इस दौरान छग राज्य महिला आयोग की सदस्य अनिता रावटे, पूर्व विधायक मकसूदन चंद्राकर, जनपद अध्यक्ष यतेंद्र साहू, जिला वनोपज संघ के अध्यक्ष प्रमोद चंद्राकर, बीज अनुसंधान समिति के संचालक दाउलाल चंद्राकर, नगरपालिका अध्यक्ष राशि महिलांग, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष खिलावन बघेल, ग्रामीण अध्यक्ष ढेलू निषाद, अरूणा शुक्ला, कपिल साहू, सुनील चंद्राकर, नीतेंद्र बेनर्जी, गिरजाशंकर चंद्राकर, रेखराज पटेल आदि मौजूद थे।

8-8 लाख के 2 हार्डकोर नक्सली ढ़ेर,एसपी ने की पुष्टि

कांकेर, 31 अक्टूबर 2022। कांकेर पुलिस ने नक्सल मोर्चे में एक बड़ी कामयाबी के साथ दो नक्सलियों को मार गिराया है। पुलिस के हाथों मारे गए नक्सलियों में हार्डकोर नक्सली दर्शन पद्दा शामिल हैं। वहीं मुठभेड़ में पुलिस ने जागेश नामक नक्सली को भी ढ़ेर कर दिया है। लंबे समय बाद कांकेर पुलिस को नक्सलियों को मारने का मौका मिला। पिछले कई दिनों से घटनास्थल के इर्द-गिर्द नक्सलियों की मूवमेंट पर पुलिस की नजर थी। पुलिस ने रणनीतिपूर्वक मुठभेड़ में नक्सलियों को मार दिया है। घटना की पुष्टि करते कांकेर एसपी शलभ सिन्हा ने बताया कि बीती रात को नक्सलियों के साथ अंतागढ़ इलाके के कड़मे के जंगल में मुठभेड़ हुई। जिसमें दो नक्सली मारे गए। घटनास्थल का मुआयना करने पर मौके पर दो शव मिले। जिसकी पहचान दर्शन पद्दा और जागेश के रूप में हुई।

मिली जानकारी के मुताबिक परतापुर दलम का कमांडर दर्शन पद्दा और एसीएम जागेश के अलावा अन्य नक्सलियों की कड़मे के जंगल में उपस्थिति की खबर थी। पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से नक्सलियों को घेरा। समर्पण करने की अपील को दरकिनार कर नक्सलियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में दोनों नक्सली मारे गए।

पुलिस का दावा है कि मुठभेड़ में कुछ नक्सली जख्मी हुए हैं। जिसकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है। मारे गए नक्सलियों पर 8-8 लाख रुपए का ईनाम था। नक्सल मुठभेड़ में पुलिस को मिले शव को जब्त कांकेर लाया जा रहा है। एसपी सिन्हा ने इस सफलता पर जवानों और अफसरों को बधाई दी है।

अंधे कत्ल का खुलासा,महिला नरकंकाल मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, 31 अक्टूबर 2022। सूचक देवचंद कुर्रे ने थाना आरंग में सूचना दर्ज कराया कि उसकी पत्नि अनिता बाई कुर्रे बिना बताये घर से कहीं चली गई है जो वापस नही आयी है। जिस पर थाना आरंग में गुम इंसान क्रमांक 48/2018 कायम कर जांच में लिया गया। इसी दौरान दिनांक 25.04.2019 को थाना आरंग क्षेत्रांतर्गत ग्राम केशला स्थित खदान में एक नर कंकाल पाया गया। पुलिस टीम के सदस्यों द्वारा नर कंकाल की शिनाख्तगी एवं पतासाजी हेतु थाना आरंग में पूर्व में दर्ज गुम इंसान के परिजनों को बुलाकर नर कंकाल के पास मिलें वस्तुओं को दिखाकर नर कंकाल की पहचान सुनिश्चित करने के प्रयास किये जा रहे थे। इसी दौरान गुम इंसान अनिता बाई कुर्रे के माता एवं भाई द्वारा नर कंकाल के पास मिले टूटी हुई चुड़ी, पायल एवं खिनवा को देखकर पहचान करते हुए दोनों के द्वारा नर कंकाल की पहचान अनिता बाई कुर्रे पति देवचंद कुर्रे उम्र 25 साल निवासी अमोदी थाना आरंग रायपुर

के रूप में की गई। जिस पर थाना आरंग में मर्ग क्रमांक 49/2019 धारा 174 जा.फौ. दर्ज कर जांच में लिया गया।

जांच कार्यवाही के दौरान नर कंकाल को परीक्षण हेतु भेजा गया। विशेषज्ञों द्वारा परीक्षण में नर कंकाल को स्त्री का होना लेख किया गया। जिस पर उक्त स्त्री के नर कंकाल की पहचान की पुष्टि हेतु मृतिका अनिता बाई कुर्रे के डी.एन.ए. के साथ उसकी माता सुमित्रा बंजारे के डी.एन.ए. का परीक्षण कराया गया। डी.एन.ए. परीक्षण रिपोर्ट में डी.एन.ए. के आधार पर सुमित्रा बंजारे को स्त्री के नर कंकाल की जैविक माता होना पुष्टि कर लेख किया गया। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा अनिता बाई कुर्रे की हत्या कर साक्ष्य छिपाने के नियत से उसके शव को ग्राम केशला आरंग स्थित खदान में दफना दिया गया था। जिस पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना आरंग में अपराध क्रमांक 382/22 धारा 302, 201 भादवि. का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना आरंग पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा प्रकरण में पूर्व में आरोपी 01. देवचंद कुर्रे पिता लाला राम कुर्रे उम्र 35 साल निवासी ग्राम अमोदी थाना आरंग रायपुर। 02. देवदास कुर्रे पिता लाला राम कुर्रे उम्र 27 साल निवासी ग्राम अमोदी थाना आरंग रायपुर। 03. तेजराम चतुर्वेदी पिता बिसेसनी चतुर्वेदी उम्र 36 साल निवासी ग्राम कुसमुंद थाना आरंग रायपुर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी, गमछा तथा 01 नग क्रूजर तूफान वाहन क्रमांक सी जी 04 के वाय 3090 जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही की जा चुकी है।

इंश्योरेंस कंपनी के दफ्तर में लगी भीषण आग रेस्क्यू

बिलासपुर, 31 अक्टूबर 2022। ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी के दफ्तर में आग लगने से कॉम्पलेक्स में हड़कंप मच गया। आग की लपटें तेजी से फैलते हुए पूरे दफ्तर में फैल गई। देखते ही देखते धुएं का गुबार भी पसर गया।

यह घटना पुराना बस स्टैंड स्थित रामा ट्रेड सेंटर स्थित फर्स्ट फ्लोर का है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, बिलासपुर शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के पुराना बस स्टैंड स्थित रामा ट्रेड सेंटर स्थित फर्स्ट फ्लोर का है। वहीं घटना की जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। जहां दो दमकल की मदद से आग पर रेस्क्यू कर काबू पाया गया। इस संबंध में कोतवाली थाना प्रभारी प्रदीप कुमार आर्या ने बताया कि आग लगने का कारण फिलहाल अज्ञात है। लेकिन बताया जा रहा है कि किसी ने दिया (लैम्प) जलाया था।

जिसके चलते आग दफ्तर में फैल गई। इंश्योरेंस कंपनी में लगी आग से लाखों का नुकसान हो गया है। जिसके चलते पंचनामा की कार्यवाही की जा रही है। इस घटना में राहत की खबर यह है कि कोई जनहानि नहीं हुई है। कॉम्पलेक्स से सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

बस्तर में फतह की रणनीति पर फोकस, पीएल पुनिया का आत्मविश्वासी दावा

रायपुर, 31 अक्टूबर 2022। कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक शुरू। बैठक में प्रदेश प्रभारी पीएल पुनिया प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम, प्रभारी सचिव चंदन यादव एवं प्रदेशपदाधिकारी शामिल है। महिला कांग्रेस युवा कांग्रेस एनएसयूआई एवं सभी मोर्चा संगठन विभाग प्रकोष्ठ के पदाधिकारी बैठक में शामिल है।

इस बैठक में PCC अध्यक्ष मोहन मरकाम, राष्ट्रीय सचिव चंदन यादव मौजूद है। PCC की बैठक के पहले सरदार वल्लभभाई पटेल और इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि दी है।

छत्तीसगढ़ में भले ही विधानसभा चुनाव को अभी एक साल का और समय है। लेकिन अभी से इसकी रणनीति शुरू हो गई है। प्रदेश प्रभारी पीएल पुनिया ने इसके संकेत दे दिए हैं।

दरअसल बस्तर पर कांग्रेस जीत फतह के लिए नई रणनीति पर जोर दे रहे हैं। बता दें कि कांग्रेस नेता पीएल पुनिया ने दावा किया है कि बस्तर की 12 सीटों में 50 प्रतिशत सीटें 50 से कम उम्र के युवाओं को मौका मिलेगा। दूसरी ओर विधायकों को परफॉर्मेंस सुधारने का मौका दिया गया है। 50 प्रतिशत सीटों पर विधायकों को उनके परफॉरमेंस के आधार पर दूसरी बार टिकट दिया जाएगा। कार्यकर्ताओं-संगठन को एकजुट कर चुनावी मैदान में उतरने की रणनीति पर भी मंथन चल रहा हैं। इस दौरान पीएम पुनिया ने आदिवासी सीटों के हारने के भाजपा के आरोपों को खारिज किया है।

छठ महापर्व का समापन : राजधानी समेत प्रदेश में भगवान सूर्य को दिया आस्था का अर्घ्य

रायपुर/बिलासपुर, 31 अक्टूबर 2022। देश के साथ छत्तीसगढ़ में भी कठिन उपवास, उपासना के पर्व छठ पूजा का सोमवार को समापन हुआ. छठ व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य दिया. इससे पहले रविवार की शाम डूबते सूर्य की पूजा की गई थी।

रायपुर के महादेव घाट, बीरगांव, सेजबहार, उरला, भिलाई के प्रमुख तालाबों समेत, सरगुजा, अंबिकापुर, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा जैसे जिलों में मिनी नॉर्थ इंडिया का माहौल देखने को मिला. यहां रविवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भोजपुरी गानों की धूम रही.

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की

षष्ठी तिथि को 36 घंटे के निर्जला व्रत की शुरुआत 28 अक्टूबर को नहाए-खाय के साथ हुई थी. 29 अक्टूबर को छठ पर्व का दूसरा दिन खरना मनाया गया. 30 अक्टूबर को डूबते सूर्य को पहला अर्घ्य दिया गया और 31 अक्टूबर यानी आज उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ पर्व संपन्न हुआ. धार्मिक मान्यताओं को अनुसार, छठ व्रत खास तौर पर संतान प्राप्ति और उसकी खुशहाली के लिए रखा जाता है. जो लोग संतान सुख से वंचित हैं, उनके लिए यह व्रत लाभकारी साबित होता है. मान्यता है कि छठ पूजा करने से छठी मइया की कृपा से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम से आए 'हो सांस्कृतिक दल' के लोक कलाकार देंगे हो नृत्य की प्रस्तुति

रायपुर, 31 अक्टूबर 2022। छत्तीसगढ़ के 23 वें स्थापना दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव एवं राज्योत्सव का तीन दिवसीय आयोजन राजधानी रायपुर स्थित साइंस कॉलेज मैदान में किया जा रहा है। इस महोत्सव में झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम की हो सांस्कृतिक दल के लोक कलाकार हो नृत्य की प्रस्तुति देंगे। झारखंड की परंपरा में इस नृत्य में फसल की बुआई से लेकर फसल की कटाई एवं उसके पश्चात की सभी गतिविधियों को पारंपरिक वाद्ययंत्रों की संगीतमय प्रस्तुति के माध्यम से दिखाया जाता है।

दल के निर्देशक सोमाय देवगम एवं जुलियानी कोड़ा ने बताया कि झारखंड की लोक परंपरा में हो लोकनृत्य जनजातीय हो त्यौहार के अवसर पर किया जाता है। जिसमें खेती की बुआई, कटाई और इस दौरान लोकजीवन की प्रमुख गतिविधि, विविध परंपराओं से जुड़े रिवाजों को अभिव्यक्त किया जाता है, यह नृत्य लोकजीवन की शैली का प्रतिबिंब है। हो लोक नृत्य लगभग 20-30 मिनट तक प्रस्तुत किया जाता है। मूलतः 21 लोगों का समूह इस नृत्य को प्रस्तुत करते हैं, जिसमें 14 महिलाएं एवं 7 पुरुष लोक कलाकार शामिल होते हैं।

इस नृत्य की शुरुआत झारखंडी जोहार से होती है, जिसमें दर्शकों का लोकरीति से स्वागत एवं अभिनंदन किया जाता है। इसके पश्चात मांगे पर्व, बाहा पर्व, जंगल में शिकार का दृश्य, गोबर का छिड़काव, धान बुनना, धान रोपना, हेरोअः पर्व, धान काटना, मछली पकड़ना, नहाना, फूल तोड़कर लगाना, हड़िया पिलाना, जोड़ी बनाना, संदेश, परिवार नियोजन, अंतिम सलामी और टाटा-टाटा इस नृत्य में प्रस्तुतियों के अलग-अलग चरण हैं। झारखंड से आए ÷हो सांस्कृतिक दल÷ के कलाकारों ने छत्तीसगढ़ आने पर प्रशंसा जाहिर करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा के विषय में बहुत सुन रखा था, आज यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है, हम सभी अपनी प्रस्तुति के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने राष्ट्रीय आदिवासी महोत्सव का आयोजन में शामिल होने हेतु आमंत्रित करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार और मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का धन्यवाद किया है। उल्लेखनीय है कल से शुरू हो रहे राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में मोजाम्बिक, टोगो, मंगोलिया, रूस, इंडोनेशिया, सर्बिया, न्यूजीलैंड, इजिप्ट और मालदीव कलाकारों सहित देश के विभिन्न राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के लगभग 15 सौ कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)

छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान से छू रहे आसमान

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस

गाड़ा-गाड़ा बधई अउ शुभकामना

आदिवासी संस्कृति
संगीत व नृत्य की छटा

राष्ट्रीय आदिवासी NATIONAL TRIBAL नृत्य महोत्सव DANCE FESTIVAL
रायपुर-छत्तीसगढ़ RAIPUR-CHHATTISGARH

तृतीय राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव
1-3 नवंबर, 2022
साइंस कॉलेज मैदान, रायपुर

उद्घाटन कार्यक्रम

1 नवंबर 2022 | प्रात: 11.00 बजे | साइंस कॉलेज मैदान, रायपुर

मुख्य अतिथि
श्री भूपेश बघेल
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

अध्यक्षता
डॉ. चरणदास महंत
माननीय अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ विधानसभा

भारत के 28 राज्य व 8 केंद्र शासित प्रदेश के 1400 कलाकार देंगे अपनी प्रस्तुतियां

9 देश
मोजांबिक, मंगोलिया, टोगो, रूस, इंडोनेशिया, मालदीव, सर्बिया, न्यूजीलैंड और मिस्र के 100 जनजातीय कलाकार बिखेरेंगे अपनी संस्कृति के रंग

दो विधाओं में आदिवासी नृत्य प्रदर्शन

1 फसल की कटाई के अवसर पर

2 पारंपरिक अवसरों और अनुष्ठानों पर

हर विधा में

प्रथम पुरस्कार	द्वितीय पुरस्कार	तृतीय पुरस्कार
₹ 5 लाख	₹ 3 लाख	₹ 2 लाख

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव
1-3 नवंबर, 2022

23वां राज्योत्सव एवं राज्य अलंकरण समारोह

1 नवम्बर 2022 | सायं 7 बजे | साइंस कॉलेज मैदान, रायपुर

मुख्य अतिथि
सुश्री अनुसुईया उइके
मान. राज्यपाल, छत्तीसगढ़

अध्यक्षता
श्री भूपेश बघेल
मान. मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

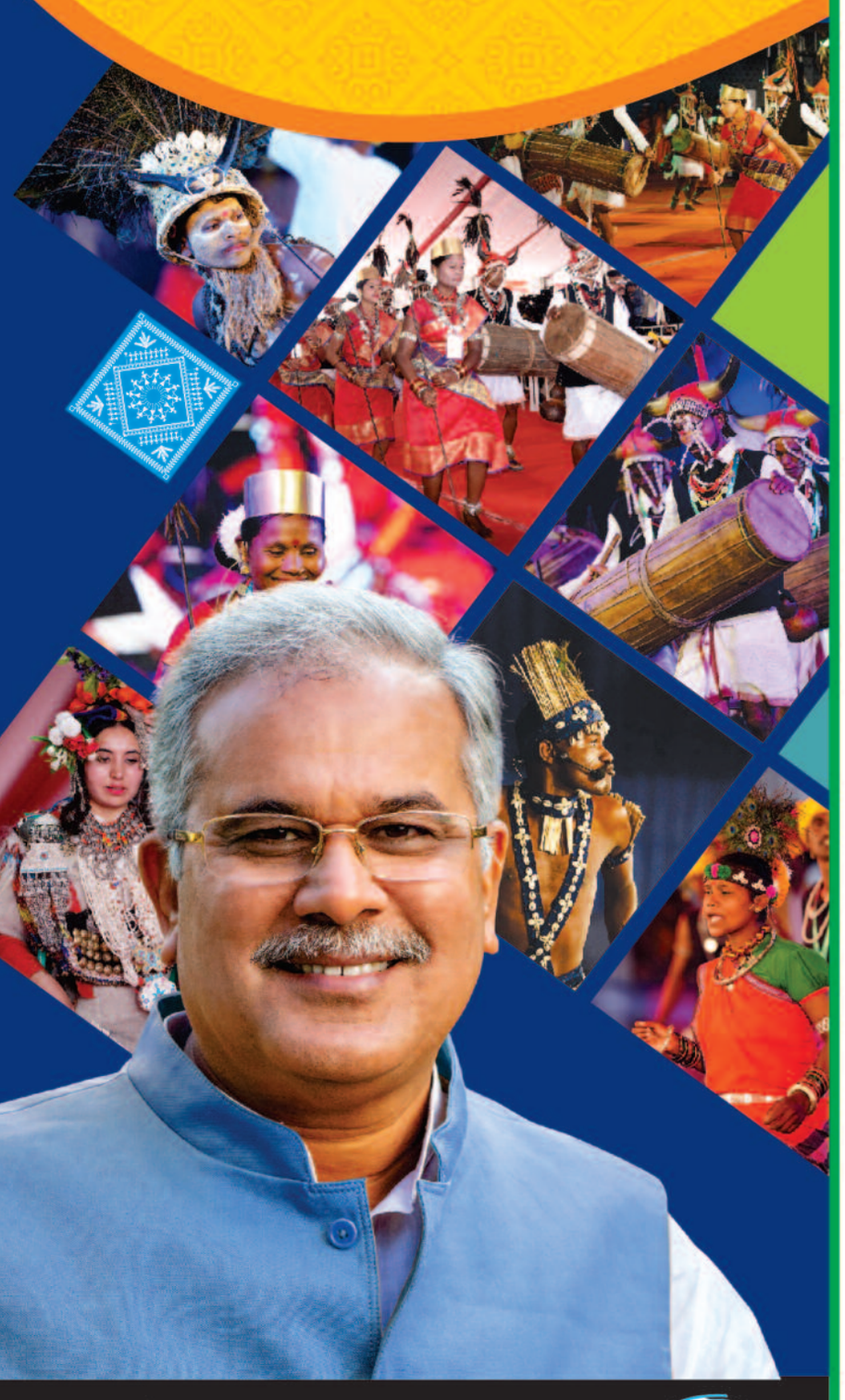

संवाद 34441/66

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprCg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसम्पर्क

संसदीय सचिव ने किया कल्याणपुर से अखोराकला नवीनीकरण सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ

-संवाददाता-

सूरजपुर , 31 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

भटगांव विधायक एवं संसदीय सचिव पारसनाथ राजवाड़े ने पीएमजेएसवाई द्वारा बनाए जा रहे कल्याणपुर से अखोरा कला तक नवीनीकरण सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। प्रशासकीय स्वीकृति एवं निविदा की स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात 5 किलोमीटर की लंबाई तक बनने वाला यह सड़क प्रारंभ कर दिया गया है। नवीनीकृत सड़क निर्माण होने पर सड़क से आने जाने वाले राहगीरों एवं ग्रामीण जनों में हर्ष का माहौल है।

गौरतलब है कि सड़क की नवीनीकरण कार्य के लिए बहुत दिनों से की जा रही थी जिसे शासन द्वारा स्वीकृति प्राप्त कर प्रारंभ कर लिया गया है जिसे दो करोड़ रुपए की राशि से पूर्ण किया जाएगा। यह मार्ग बलरामपुर जिले के राजपुर से सूरजपुर आती है जिसमें बरियो से भारी वाहनों का आवागमन होता है जिससे सड़क क्षतिग्रस्त हुआ था जिसे स्वीकृत कर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इस दौरान पीएमजेएसवाई के कार्यपालन अभियंता सोहन चंद्रा, अखोराकला के सरपंच, स्थानीय जनप्रतिनिधि गण, विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं ग्रामीण जन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

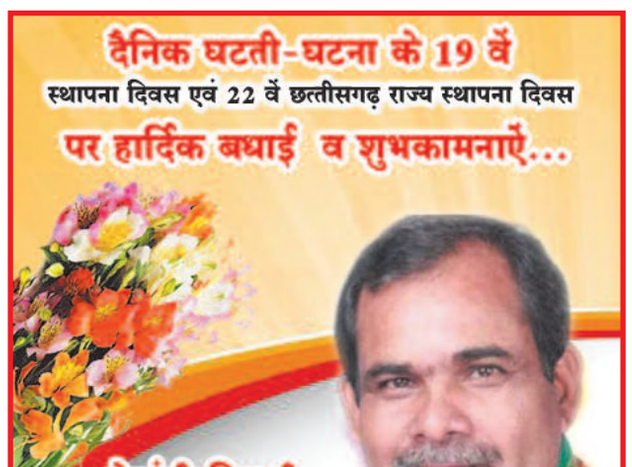

माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित अंबिकापुर
ग्राम- केरता, तहसील- प्रतापपुर, जिला- सूरजपुर (छ.ग.)
गन्ना पेराई सत्र 2022-23
का शुभारंभ
मान. डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम
(मंत्री छत्तीसगढ़ शासन) आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, स्कूल शिक्षा तथा सहकारिता विभाग
के कर कमलों से
विद्यासागर सिंह
अध्यक्ष
माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना
जितेन्द्र दुबे
उपाध्यक्ष
माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना
कुमार सिंह देव
जिला मंत्री प्रतिनिधि एवं सदस्य अ.भा. शुगर मिल एसोसिएशन
कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अतिथियों का हार्दिक आभार
मान. डॉ. प्रेमसाय सिंह जी
केबिनेट मंत्री छ.ग.शासन
संचालक मण्डल सदस्य
श्रीमती उर्मिला देवी
राजेश कुमार
विजय कुमार जायसवाल
प्रयागराज जायसवाल
बिजेश्वर सिंह
क्षत्रधारी
बिगनेश्वर
लीलू नीता केहरी
-: विनीत :
प्रबंध संचालक
माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित
अम्बिकापुर, ग्राम-केरता जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

दैनिक घटती-घटना के 19 वें
स्थापना दिवस एवं छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर
हार्दिक बधाई व शुभकामनाऐं...
डां.अजय तिर्की
महापौर
नगरपालिक निगम अम्बिकापुर

दैनिक घटती-घटना के 19 वें स्थापना दिवस
एवं छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस
पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाऐं...
रविन्द्र तिवारी (गुड्डू)
अध्यक्ष-संभागीय ट्रक मालिक संघ
एवं अध्यक्ष-कैट सरगुजा

दैनिक घटती-घटना के 19 वें स्थापना दिवस
एवं छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस
पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाऐं...
मेराज बंगवेज (गुड्डू)
अम्बिकापुर, सरगुजा

दैनिक घटती-घटना के 19 वें स्थापना दिवस
एवं छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस
पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाऐं...
राकेश गुप्ता
जिला पंचायत सदस्य
अम्बिकापुर, सरगुजा

दैनिक घटती-घटना के 19 वें स्थापना दिवस
एवं छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस
पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाऐं...
ओम प्रकाश जायसवाल
अध्यक्ष
भाजपा मण्डल बलरामपुर,छ.ग.

दैनिक घटती-घटना के 19 वें स्थापना दिवस
एवं छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस
पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाऐं...
नवनीत तिवारी
मुख्तार,अम्बिकापुर

दैनिक घटती-घटना के 19 वें स्थापना दिवस
एवं छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस
पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाऐं...
हिमांशु जायसवाल
प्रदेश महासचिव
एन.एस.यू.आई,सरगुजा

दैनिक घटती-घटना के 19 वें स्थापना दिवस
एवं छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस
पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाऐं...
हरजीत सिंह
सेहत भोजनालय
गांधीचौक,अम्बिकापुर

दैनिक घटती-घटना के 19 वें स्थापना दिवस
एवं छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस
पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाऐं...
उमेश जायसवाल
होटल वेलकम
गांधीचौक,अम्बिकापुर

दैनिक घटती-घटना के 19 वें स्थापना दिवस
एवं छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर
हार्दिक बधाई व शुभकामनाऐं...
सांइ ट्रेडर्स वेस्ट पेपर सप्लायर
शैलेष अग्रवाल (बंटी)
रिंग रोड चोपड़ापारा
अम्बिकापुर,सरगुजा (छ.ग.)

दैनिक घटती-घटना के 19 वें स्थापना दिवस
एवं छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस
पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाऐं...

डॉ. प्रीतम राम
विधायक
लुण्ड्रा,सरगुजा,छ.ग.

मा. रामविचार नेताम
पूर्व राज्य सभा सांसद

गणेश दत्त मिश्रा
पटवारी
अम्बिकापुर

श्रवण पाण्डेय
पटवारी
अम्बिकापुर

विजय जायसवाल
चार्टर्ड एकाउंटेंट
वी. जायसवाल एण्ड कंपनी
गांधीचौक,अम्बिकापुर

सीए एवएस जायसवाल
अम्बिकापुर,सरगुजा,छ.ग.

रमन अग्रवाल
अध्यक्ष-नगर पंचायत रामानुजगंज
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज

सफी अहमद
अध्यक्ष
राज्य श्रम कल्याण बोर्ड, छत्तीसगढ़ शासन

बाबर ईदरिसी
कोषाध्यक्ष
कांग्रेस अल्प सख्यक प्रकोष्ठ सरगुजा

दैनिक घटती-घटना के 19 वें स्थापना
दिवस एवं छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर
हार्दिक बधाई व शुभकामनाऐं...

स्व.गजेन्द्र नारायण सिंह

श्रीमती मुखरानी देवी

जी.एन.सेवा समिति अम्बिकापुर